

संक्षिप्त समाचार

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में 11वीं गिरफ्तारी

सोनीपत । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में पुलिस ने 11वीं गिरफ्तारी की है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव हरसाना निवासी प्रांजल को इंदौर से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, शूटरों तक हथियार और जिंदा कारतूस पहुंचाने में उसकी अहम भूमिका थी। आरोपी की निशानदेही पर गुजरात के सूरत से तीन अवैध हथियार और 10 कारतूस बरामद किए गए हैं। इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए 11 आरोपियों में से आठ सोनीपत जिले के रहने वाले हैं। प्रांजल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद परिवार ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। परिवर्जनों का दावा है कि उनका बेटा निर्दोष है और उसे जेल तक से हिरासत में लिया गया है। उनका कहना है कि प्रांजल का टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़ा एडवोकेट गिरफ्तार

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई एयरपोर्ट से एडवोकेट रमेश उपाध्याय उर्फ रमेश शाह को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी साइबर फॉंड और डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामले में हुई है। अब तक इस मामले में 7 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। ईडी करीब 28,000 करोड़ के बैंकिंग लेनदेन की जांच कर रही है। एजेंसी ने बताया कि गोवा पुलिस ने 9 जून 2025 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसके बाद जांच शुरू हुई। गोवा की एक महिला को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। इसके बाद 21 मई से 2 जून 2025 के बीच ठगों ने महिला से 400 म्यूल बैंक अकाउंट में 2.60 करोड़ रुपए ट्रांसफर कराए। खाते क्रेडिट, ड्रेवल और विदेशी मुद्रा से जुड़ी कपनियों के थे, जिन्हें फर्जी निदेशकों के जरिए चलाया जा रहा था।

स्टार्टअप का पारे से सोना बनाने का दावा

सेन फ्रांसिस्को । सेन फ्रांसिस्को का एक स्टार्ट-अप है मेराथन फ्यूजन। दावा है कि उसने पारे को सोने में बदल दिया है। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि उसने प्रयोग में कुल कितना सोना बनाया है। यही वजह है कि लोग पूछ रहे हैं कि क्या सच में बाजार में बेचने लायक सोना बन भी पाएगा? द अटलांटिक के मुताबिक, यह कोई नया विचार नहीं है। पहले भी इसकी कोशिशें होती रही हैं। मेराथन फ्यूजन ने कहा कि उसने पारे को सोने में बदल दिया है। दावा है कि उसकी यह उपलब्धि सीईआरएन के पिछले रिकॉर्ड से 10 गुना बेहतर है। कंपनी ने कहा कि अब, हम रिकॉर्ड बिजली/ऊर्जा पैदा करने के लिए सेन फ्रांसिस्को में एक फ्यूजन रिपेक्टर बना रहे हैं।

सऊदी अरब की उड़ानें 7 नवंबर तक रुक

नई दिल्ली मिडिल ईस्ट में हूती विद्रोहियों के हमलों और बढ़ते तनाव के चलते एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब में रियाद और दम्माम के लिए फ्लाइट्स पर रोक 7 नवंबर, 2026 तक बढ़ा दी है। एयरलाइन ने कहा कि जेद्दा से आने-जाने वाली सर्विस 31 अक्टूबर तक रोक दी जाएगी। इसमें एलिजबेल पैसेजर्स को कोम्प्लिमेंट्री रीबुकिंग ऑप्शन और कैंसेलेशन पर पूरा रिफंड दिया जाएगा। एयर इंडिया ने कहा है कि जिन यात्रियों की 24 अक्टूबर को या उससे पहले कन्फर्म बुकिंग हुई है वे फ्री रीबुकिंग का फायदा उठा सकते हैं। एयरलाइन ने टिकट कैंसिल करने पर पूरा पैसा वापस करने का ऐलान किया है।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी बोले...

त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों के खरीदें उत्पाद और बढ़ाएं उनका उत्साह



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित ‘मन की बात’ के 139वें एपिसोड में देशवासियों से त्योहारों के दौरान स्थानीय कारीगरों के बनाए उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की मांग अब दुनिया के विभिन्न देशों में बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना ग्रीस पहुंच रहा है, जबकि कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव तक पहुंच रही है। इससे भारतीय किसानों और स्थानीय उत्पादकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए अवसर खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ‘मन की बात’ कार्यक्रम की शुरुआत 12 साल पहले विजयादशमी के पावन अवसर पर हुई थी। उनके लिए यह यात्रा देशवासियों को करीब से जानने और समझने की तीर्थयात्रा के समान है। उन्होंने त्योहारों पर खरीदारी करते समय स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों का ध्यान रखने का आग्रह किया, ताकि उनकी मेहनत को प्रोत्साहन मिल सके।

खादी की बिक्री 28 करोड़ रुपये के पार:- पीएम मोदी ने खादी और ग्रामीणों के उत्पादों की बिक्री का उल्लेख करते हुए बताया कि गांधी जयंती पर एक ही दिन में इनकी बिक्री 28 करोड़ रुपये से अधिक रही। यह पिछले वर्ष की तुलना में करीब डेढ़ करोड़ रुपये ज्यादा है। उन्होंने इसे खादी के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि से जोड़ते हुए स्थानीय उत्पादों को अपनाने का संदेश दिया।

मध्यप्रदेश में मोहन सरकार का बड़ा एक्शन

392 अधिकारियों पर कार्रवाई, 7 बर्खास्त



युग प्रदेश,भोपाल। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। वित्तीय अनियमितताओं के मामलों को लेकर नगरीय प्रशासन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। विभाग की ओर से अब तक करीब 392 अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इनमें लगभग 135 मुख्य नगरपालिका अधिकारी भी शामिल हैं। सरकार का कहना है कि सार्वजनिक धन के दुरुपयोग और वित्तीय गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी है। नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) संजय दुबे के अनुसार, वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में अब तक 7 अधिकारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। इसके अलावा करीब 3 से 4 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। कार्रवाई का दायरा केवल अधिकारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि 80 से अधिक ठेकेदारों और सप्लायर्स के खिलाफ भी कदम उठाए गए हैं।

हनीट्रैप में फंसा सेना का रिटायर्ड कैप्टन गिरफ्तार



वेल्लोर,एजेंसी। तमिलनाडु के वेल्लूर में 52 साल के रिटायर्ड आर्मी अधिकारी बाबू को गिरफ्तार किया गया है। बाबू पर आरोप है कि उसने सेना से जुड़ी कई अहम जानकारीयां लीक कीं। कनियामंडाई पुलिस के मुताबिक, बाबू ने व्हाट्सएप के जरिए एक अज्ञात महिला को सैन्य उपकरणों और इंडियन आर्मी से जुड़ी गोपनीय जानकारी भेजी। बाबू वेल्लूर के कीझवल्लम गांव का रहने वाला है। वह 28 साल तक इंडियन आर्मी की अलग-अलग शाखाओं में सेवा दे चुका है। उसने पिछले साल आर्मी की इन्फैण्टेंट डिवीजन से कैप्टन पद पर रिटायरमेंट लिया था। इसके बाद वह अपने गांव में रहने लगा।

वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 100वें स्थान पर

भारत में 10 फीसदी कुपोषित, 29 फीसदी बौने



नई दिल्ली,एजेंसी। बढ़ती अर्थव्यवस्था का दंभ भरने वाले भारत की भूखमरी के मामले में बढ़ी शर्मनाक स्थिति है। वैश्विक भूख सूचकांक में भारत का 122 देशों में 100वां स्थान है। 2012 के बाद से ही भारत भूखमरी की गंभीर श्रेणी में है और इससे बाहर निकलने के लगातार प्रयास कर रहा है। वर्ष 2018 से 2026 में भारत की गरीबी 25.8 से घटकर 24.1 हुई है। हालांकि इसमें केवल 1.7 अंकों का सुधार हुआ है, जबकि इसके मुकाबले कांग्रेस सरकार के शासनकाल में 2006 से 2012 के बीच 8.2 अंकों का सुधार हुआ था। आज भी भारत की 9.8 फीसदी आबादी कुपोषित है और 29.3 प्रतिशत बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से कम लंबाई के हैं, अर्थात बौनेपन के शिकार हैं। भारत में पांच

वर्ष से कम उम्र के बच्चों में दुबलापन बढ़कर 19 हो गया है, जो दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है। दक्षिण एशिया का सूचकांक स्कोर 23.5 है और इस क्षेत्र में बच्चों के दुबलेपन की दर 15.8 प्रतिशत है, जो दुनिया के किसी भी क्षेत्र में सबसे अधिक है। वर्ष 2018 के

बसों में लगी भीषण आग...



भोपाल आईएसबीटी पर निजी ट्रेवलस की बसों में आग आसपास खड़ी बसें भी चपेट में आई, सभी ट्रिप कैंसिल

युग प्रदेश,भोपाल। राजधानी भोपाल में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर रविवार शाम आग लगने से हड़कंप मच गया। यहां करीब 7 बसों में आग लगने की सूचना है। घटना के बाद बस स्टैंड परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग से प्रभावित बसें वर्मा ट्रेवलस की बताई जा रही हैं। बसों में लगी आग की ऊंची उठती लपटें और धुएँ का गुबार देखकर यात्रियों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग तेजी से फैली और आसपास की बसों को चपेट में ले लिया। सूचना मिलते पर दमकल विभाग की गाड़ियां और स्थानीय प्रशासन व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। करीब डेढ़ घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। प्रभावित बसों में नागपुर-अहमदाबाद-सूरत रूट की बसें शामिल हैं। बस मालिक दीपक वर्मा भी मौके पर पहुंचे हैं। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। आग लगने की इस घटना के बाद यात्रियों के सभी ट्रिप कैंसिल कर दिए गए हैं। फिलहाल घटना में किसी के हाताहत होने या नुकसान की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

विस्तृत खबर पेज 8 पर

जामिया में चुनाव की मांग पर छात्रों का प्रदर्शन

विरोध-प्रदर्शन के बीच कैंपस के गेट बंद स्टूडेंट्स को रोकने पर विवाद,कई हिरासत में नई दिल्ली,एजेंसी।



दिल्ली में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों का रविवार को भी छत्र, चुनाव की मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसके तहत अचानक सभी क्लास ऑनलाइन कर दी गईं। छात्रों का आरोप है कि यह कैंपस खाली कराने और स्टूडेंट यूनियन (छत्र संघ) को बहाल करने की उनकी मांग को दबाने की एक सोची-समझी चाल है। गेट नंबर 4 पर एंटी पाबंदियों को लेकर पुलिस और छात्रों के बीच बहस हो गई। जिन छात्रों के पास कॉलेज के रेगुलर आईडी कार्ड तो थे, लेकिन हॉस्टल आईडी नहीं थी, उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया। इधर, पुलिस ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ छात्रों को हिरासत में लिया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने शनिवार को घोषणा की कि अगले आदेश तक सभी कोर्स ऑनलाइन मोड में चलेंगे। इसके साथ ही लाइब्रेरी, कैटिन और मुख्य प्रवेश द्वारों जैसी जरूरी सुविधाएं भी बंद कर दी गईं, जिससे छात्रों के लिए कैंपस में आना-जाना मुश्किल हो गया और जो छात्र कैंपस के अंदर थे, वे अलग-थलग पड़ गए।

12 अक्टूबर से जारी है प्रदर्शन

जामिया के छात्रों ने 12 अक्टूबर को प्रदर्शन और भूख हड़ताल शुरू की थी। वे छात्रों की यूनियन बहाल करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के शुरुआती दिनों में दिल्ली पुलिस ने कैंपस में तय प्रदर्शन स्थल से छात्रों को हटाने की कोशिश की थी। इसके बाद प्रदर्शन और बढ़ गया।

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान

28 अक्टूबर को आंध्र तट से टकराएगा,तमिलनाडु-पुडुचेरी में तेज बारिश, ओडिशा के 5 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद



कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं। पुडुचेरी में शनिवार रात से लगातार बारिश हो रही है। वहीं, तमिलनाडु में भारी बारिश के बीच इरोड जिले में रविवार को कोडिवेरी बांध पर लगातार दूसरे दिन पर्यटकों की एंटी बंद रही। केरल में भी भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मलपपुरम, कोझिकोड और वायनाड में रेड अलर्ट है। इन जिलों में शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन स्थलों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

पांडी रम





स्व. महेश रामरख्यानी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि स्व श्री फुलमल रामरख्यानी के (सपुत्र), स्व राजकुमार रामरख्यानी के (भाई), स्व नानकराम मटाई इंदौर वाले, स्व शेवकराम गोकलानी, अशोक कुमार ज्ञानवानी के (साले), प्रकाश, श्याम, सुरेश रामरख्यानी के (सवरे भाजे), स्व लक्ष्मीचंद पंजवानी इंदौर वाले के (दामाद), स्व रामचंद आसवानी के (भांजे), स्व आत्माराम टिलवानी के (सभाई), रमेश, किशन, अर्जुन मेखानी (नगर निगम), हरीश, वासुदेव, स्व किशोर, स्व मोहन के (ससौ भाई), स्व अशोक पंजवानी, नरेश, महेश पंजवानी के (बहनोई), जैकी, राकेश गोफुलानी के (मामा), जितेश, पौषण रामरख्यानी के (ताचा), दीपक रामरख्यानी (कांफ़ेस नेता), मोहित रामरख्यानी के पिताजी **महेश रामरख्यानी** पुत्र पुण्ड्रवध्व पूज्य सिंधी पंचायत व नगर निगम) का 24/10/26 को स्वर्गवास हो गया है जिसकी पांडी रम दिनांक 26/10/2026 आद्र दिन सोमवार शाम 5 बजे से 5:30 बजे तक पंडित दीननद्याल उपाध्याय बोधवन परकी स्थित पांडी रम हल संत हिरदामय नगर (बैरागढ़) में रखी गई है।

नोट: महिलाओं की बैठक भी इसी स्थान पर रखी गई है

:-: शोकाकुल:-: समस्त रामरख्यानी परिवार

मो.नम्बर : 9644228811, 9691200788

ड्रीफ न्यूज़

ट्रैफिक पुलिस बनकर अज्ञात जालसाज ने युवक से हड़पे ढाई लाख रुपए

भोपाल । राजधानी में लगातार ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले बढ़ते जा रहे हैं । शहर के इंदिरा नगर जाट खेड़ी क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को उसकी गाड़ी के चालान के नाम पर अज्ञात टग ने उसके बैंक अकाउंट से ढाई लाख रुपए निकाल लिए इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस इलाके में रहने वाला जेपी यादव व्यवसाय करता है उसके मोबाइल पर अज्ञात कालर का 5 अक्टूबर की दोपहर को फोन आया था आरोपी ने उससे कहा कि वह ट्रैफिक डिपार्टमेंट से बोल रहा है और उसकी गाड़ी का चालान आया हुआ है और वह चालान उसे एक लिंक के माध्यम से उसके व्हाटसएप पर भेज रहा है आई हुई लिंक को यादव ने ओपन किया था उसके बाद उसके अकाउंट से ढाई लाख रुपये डिलीट हो गए । च. उधर मोबाइल हैक कर 1 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला बागमगलिया इलाके के रेट बाजार में सामने आया है । यहां महेंद्र मालवार के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया था महेंद्र ने कॉल को रिसीव किया था और सामने वाले ने रॉना नंबर कहकर कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया उसके बाद महेंद्र डिलीट हो गए । च उधर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर बागमगलिया में रहने वाले नवीन बलेचा नाम के युवक के पास से 17 अक्टूबर को अज्ञात टग ने एक लाख रुपये की धोखाधड़ी का डाली उधर कृष्ण कंठलेक्स हमेदिया रोड पर रहने वाले शैलेश जैन के मोबाइल पर 27 मार्च को सामान खरीदने के लिए एक व्यक्ति ने वरूँ आर कोड भेजा था उसके बाद शैलेश के अकाउंट से 90 हजार रुपये डिलीट हुए थे इधर पितुलानी इलाके के हवाई खेड़ा क्षेत्र में भी 1 मार्च को अनिकेत से अज्ञात टग ने ऑनलाइन मोबाइल के द्वारा 30 हजार रुपये की टगी कर ली पुलिस ने सभी टगी के मामले में अज्ञात जलसजो के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनकी तलाश कर रही है ।

दी व. रीना ने ऑनलाइन सलवार सूट देखने के लिए गूगल पर सर्च किया था 13 अक्टूबर को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया था कॉल करने वाले ने कहा कि वह इसे एक ब्रोशर भेज रहा है जिसमें अनेक सलवार सूट की डिजाइन है उस डिजाइन ब्रोशर को रीना ने ओपन किया था और फिर उसके अकाउंट से 80 हजार रुपये डिलीट हो गए । च उधर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर बागमगलिया में रहने वाले नवीन बलेचा नाम के युवक के पास से 17 अक्टूबर को अज्ञात टग ने एक लाख रुपये की धोखाधड़ी का डाली उधर कृष्ण कंठलेक्स हमेदिया रोड पर रहने वाले शैलेश जैन के मोबाइल पर 27 मार्च को सामान खरीदने के लिए एक व्यक्ति ने वरूँ आर कोड भेजा था उसके बाद शैलेश के अकाउंट से 90 हजार रुपये डिलीट हुए थे इधर पितुलानी इलाके के हवाई खेड़ा क्षेत्र में भी 1 मार्च को अनिकेत से अज्ञात टग ने ऑनलाइन मोबाइल के द्वारा 30 हजार रुपये की टगी कर ली पुलिस ने सभी टगी के मामले में अज्ञात जलसजो के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनकी तलाश कर रही है ।

पुलिस ने दो तस्करों के पास से बरामद की डेढ़ लाख रुपए की ड्रस

भोपाल । राजधानी की बिलखिरिया पुलिस ने इस इलाके में आधी रात को बाइक सवार दो तस्करों से करीब डेढ़ लाख रुपए कीमत की एमडी ड्रस बरामद की है च इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस इलाके परहरिया सड़क बायपास रोड पर पुलिस ने चेकिंग पाइंट बनाया हुआ था उधर से एक बाइक पर सवार होकर दो युवक आ रहे थे पुलिस ने उन युवकों को रोक कर उनके बाइक की जांच पड़ताल की जिसमें एक पत्नी में 12 ग्राम ड्रस पाई गई पुलिस ने इस मामले में 24 साल के तरुणा सराटे निवासी छवनी पटेल बिलखिरिया और अखिलेश मेहरा को गिरफ्तार किया दोनों ही आरोपियों पर पहले से तीन-तीन अपराधों के मामले दर्ज है पुलिस इन ड्रग तस्करों से पता कर रही है कि उन्होंने ड्रस कहां से लाई और भोपाल में किसे सप्लाई करने वाले थे ।

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने अपनी जमानत का झांसा देकर स्कूली छात्रा से ढाई लाख एटें

भोपाल । इंस्टाग्राम पर फ्रेंडशिप के बाद शांतिर युवक ने अपनी जमानत के नाम पर 16 वर्षीय छात्रा से 6 महीने तक घर से नकदी चोरी करवाकर करीब ढाई लाख रुपये ऐंटे लिए । बाद में उससे घर में चले सोने के कड़े भी मंगावा लिए । जेवर गायब होने के बाद परिवर्जनों को मामले की जानकारी मिली जिसके बाद मामला थाने पहुंचा । शिकायत मिलने पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया है । पुलिस ने बताया तलेरा क्षेत्र की 11वीं कक्षा की छात्रा की करीब 1 साल पहले इंस्टाग्राम पर कामरान से दोस्ती हुई थी । बाद में उसके साथी अर्सलान और शिव रंजनी भी छात्रा के संपर्क में आए ।

अर्चना प्रकाशन न्यास तथा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बाल साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन कल

भोपाल । अर्चना प्रकाशन न्यास, भोपाल तथा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ‘बाल साहित्य में वैज्ञानिक दृष्टि’ विषय पर एक दिवसीय बाल साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन 26 अक्टूबर 2026 को नेहरू नगर, भोपाल स्थित विज्ञान भवन, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद परिसर, भोपाल में किया जाएगा। प्रातः 9-30 बजे प्रारंभ होने वाले इस सम्मेलन में बाल साहित्य, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अध्यात्म, लोक परंपराओं तथा बाल साहित्य में शोध की संभावनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न सत्रों में विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य बाल साहित्य के माध्यम से बच्चों में वैज्ञानिक चेतना, रचनात्मकता, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों और ज्ञान-विज्ञान के प्रति जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना है। प्रथम सत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के डायरेक्टर जनरल डॉ अनिल कोठारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रियंका कानूनगो जी रहेंगे। सम्मेलन में ‘बाल साहित्य में वैज्ञानिक दृष्टि’, ‘बाल साहित्य एवं अध्यात्म’, ‘लोक परंपरा एवं बाल साहित्य’, ‘बाल साहित्य में शोध की संभावना’ तथा ‘ज्ञान गंगा’ विषयों पर पांच सत्र आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न सत्रों में साहित्यकार, शिक्षाविद्, शोधकर्ता तथा बाल साहित्य से जुड़े विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। लोक परंपराओं और बाल साहित्य पर केंद्रित परिचर्चा में बाल एवं वरिष्ठ साहित्यकारों के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। वहीं, बाल साहित्य में शोध की संभावनाओं से संबंधित सत्र में इस क्षेत्र में नए विषयों, शोध की दिशाओं और साहित्यिक सृजन की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। सम्मेलन का समापन ‘ज्ञान गंगा’ सत्र के साथ होगा। इस आयोजन के माध्यम से बाल साहित्य के क्षेत्र में कार्यरत साहित्यकारों, शोधकर्ताओं एवं विद्वानों को विचारों के आदान-प्रदान और साहित्य की नई संभावनाओं पर संवाद का अवसर प्राप्त होगा।

भोपाल मंडल में पेयजल गुणवत्ता की सघन निगरानी

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा रेल यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी एवं जांच की जा रही है। इसी क्रम में 28 सितंबर से 22 अक्टूबर 2026 तक अवशिष्ट क्लोरीन, बैक्टीरियोलॉजिकल जांच तथा रासायनिक विश्लेषण के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की जांच की गई। इस अवधि में भोपाल मंडल में अवशिष्ट क्लोरीन के 1,744 नमूनों की जांच की गई और सभी नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए। इसी प्रकार, बैक्टीरियोलॉजिकल जांच के लिए लिए गए सभी 126 नमूनों के परिणाम भी उपयुक्त पाए गए। इसके अतिरिक्त, इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किए गए एक रासायनिक परीक्षण का परिणाम भी उपयुक्त रहा। इस प्रकार, उक्त अवधि में अवशिष्ट क्लोरीन एवं बैक्टीरियोलॉजिकल जांच के कुल 1,870 नमूनों में सभी नमूने उपयुक्त पाए गए। रासायनिक परीक्षण का परिणाम भी संतोषजनक रहा। सीनियर डीसीएम सौरभ



कटारिया ने बताया कि मंडल द्वारा रेलवे स्टेशनों एवं अन्य संबंधित स्थानों पर पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जल स्रोतों और जलापूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है। जांच के दौरान गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। भोपाल मंडल यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र पूरी तरह होगा डिजिटल

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

विधानसभा में अब विधायकों के सवाल लगाने से लेकर सरकारी विभागों के जवाब तैयार करने तक की प्रक्रिया डिजिटल करने की तैयारी है। मध्य प्रदेश विधानसभा की नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) व्यवस्था में सिर्फ विधायकों को ही नहीं, बल्कि उनके निजी सहायकों और सरकारी विभागों की विधानसभा शाखाओं के अधिकारियों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। मकसद यह है कि सदन में उठने वाले सवालों और नोटिस पर कार्रवाई कागजों के बजाय ऑनलाइन हो और विधानसभा सचिवालय, विधायक कार्यालयों तथा विभागों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान आसान बने। इसके लिए 28, 29 और 30 अक्टूबर को विधानसभा परिसर में प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। मंत्रियों को छोड़कर अन्य विधायकों को 50-50 के बैच में ट्रेनिंग दी जाएगी। उनके साथ विधानसभा का काम देखने वाले पीए और अन्य कर्मचारी भी नेवा का इस्तेमाल सीखेंगे। दिसंबर में संभावित शीतकालीन सत्र से पहले यह तैयारी की जा रही है। नई व्यवस्था में विधायकों को सवाल जमा करने, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और शुन्यकाल के नोटिस भेजने, सदन की कार्यसूची देखने और संबंधित दस्तावेज ऑनलाइन हासिल करने की प्रक्रिया सिखाई जाएगी। वहीं, सरकारी विभागों के नोडल अधिकारियों को विधायकों के सवाल और नोटिस प्राप्त करने, संबंधित शाखाओं से जानकारी जुटाने, जवाब तैयार कराने और डिजिटल माध्यम से भेजने का प्रशिक्षण मिलेगा। अभी विधानसभा से जुड़े प्रश्नों के जवाब तैयार करने में विभागों की अलग-अलग



शाखाओं के बीच समन्वय की जरूरत होती है। नई व्यवस्था से यह प्रक्रिया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अधिक व्यवस्थित हो सकेगी। इससे दस्तावेजों के आदान-प्रदान और जवाबों की स्थिति जानने में लगने वाला समय कम करने में मदद मिल सकती है। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेवा परियोजना की रिपोर्टेंड लागत 29.85 करोड़ रुपए बताई गई है। यह केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत संसदीय कार्य मंत्रालय की पहल है। इसके माध्यम से विधानसभाओं की कार्यवाही, प्रश्न, जवाब, विधेयक, नोटिस और अन्य संसदीय दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने का उद्देश्य है।

संसदीय प्रक्रिया सीखेंगे विधायक

नेवा का प्रशिक्षण केवल तकनीकी उपकरणों के इस्तेमाल तक सीमित नहीं रहेगा। विधायकों और उनके सहायकों को संसदीय कामकाज से जुड़ी डिजिटल प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी। इसमें प्रश्न और नोटिस



स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में Outcome-Based Education पर तीन दिवसीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला संपन्न

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकाष्ठ (IQAC) द्वारा Outcome-Based Education (OBE) पर आयोजित तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम एवं हैंड्स-ऑन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को OBE की अवधारणा, उसके प्रभावी क्रियान्वयन तथा शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था।

कार्यशाला में Accreditation-Edge STEMVOGEL Consulting के प्रिंसिपल कंसल्टंट एवं विशेषज्ञ सलाहकार प्रो. (डॉ.)

जे. आर. शर्मा ने विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विभिन्न सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को Outcome-Based Education के प्रमुख पहलुओं और शैक्षणिक प्रक्रियाओं में इसके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय एवं विभागों के विजन और मिशन, Programme Educational Objectives (PEOs), Programme Outcomes (POs), Programme Specific Outcomes (PSOs) तथा Course Outcomes (COs) के निर्धारण और उनके बीच समन्वय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला आबकारी की अलग-अलग टीमो द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध की कार्यवाही

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

24 अक्टूबर को भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार, उपायुक्त आबकारी संभाग ,भोपाल के.सी. अग्निहोत्री एवं सहायक आबकारी आयुक्त वीरन्द्र कुमार धाकड़ के मार्गदर्शन में तथा कंट्रोलर - श्रीमती वर्षा उड्डे के नेतृत्व में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में अलग अलग स्थानों पर कार्यवाहियों की गई । सहायक जिला आबकारी अधिकारी- सीमा कशीसिया द्वारा 1.अरुन परोचे निवासी-संजय नगर शाहजहानाबाद द्वारा बजाज पल्सर बाइक MP-04 YX-2578 एवं मुजफ्फर उख्बह पिता कुदरत द्वारा अवैध रूप से देशी मदिरा परिवहन करते हुए वाहन सहित मदिरा जप्त कर म.प्र.आबकारी अधि.1915 की धारा 34(1)(क), के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया । वाहन एवम मदिरा की अनुमानित कीमत -97500/- है ।

दूसरी टीम : सहायक जिला आबकारी अधिकारी-शरद मिश्रा द्वारा समस्त स्टॉफ सहित-देर रात केरवा डेम रोड स्थित -वारी,कट्टीसाइड मीडोज,सवाया, वाइन,गुरु,रेस्टोरेंट्स में रात्रि दबिश देकर अवैध मदिरा पान कराने और करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही कर म. प्र.आब.अधि के अंतर्गत कुल-40 प्रकरण दर्ज किए गए। सहायक जिला आबकारी अधिकारी- श्रीमती प्रीति उड्डे द्वारा रागढ़ क्षेत्र के इंदौर-भोपाल रोड में संचालित होटल आकाश रिट्रोट के रूफ टॉप स्क्वायर वास्टोरेंट को एफएल-5 लायसेंस अवधि समाप्त होने पर चेक करने पर अवैध 49.8 बल्क लीटर विदेशी मदिरा छिप्ट एवं बियर जप्त कर रेस्टोरेंट संचालक और अवैध मदिरापान करने वालो के विरुद्ध की विधिवत् कार्यवाही कर म.प्र.प्र.आबकारी अधि.1915 की धारा 34(1),36/B के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया ।



श्रीराम फाइनैस लिमिटेड ने ट्रांसपोर्ट परिवारों से जुड़े सैकड़ों छात्रों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान नवगति -परिवहन परिवार महोत्सव में ट्रांसपोर्ट परिवारों के करीब 1 हजार विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति

भोपाल/ जबलपुर। विद्यार्थियों

के सपनों को साकार करने और शिक्षा के माध्यम से उनके भविष्य को मजबूत करने की दिशा में श्रीराम फाउंडेशन द्वारा एक विशेष पहल की गई। श्रीराम फाइनैस लिमिटेड द्वारा श्रीराम एजुकेशन स्कॉलरशिप प्रोग्राम के अंतर्गत नवगति - परिवहन परिवार महोत्सव का आयोजन किया गया। इसके तहत ट्रांसपोर्ट से जुड़े परिवारों के कक्षा 7वीं से 12वीं तक के करीब 1 हजार विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। आयोजन का मकसद शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करना और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण रहा। रविवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इंफॉर्मेशन सेंटर में हुए आयोजन में मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अनू , जेडीए



अध्यक्ष संदीप जैन, श्रीराम फाइनैस लिमिटेड के बिजनेस यूनिट हेड, म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ सचिन सिंह शेखावत, घनश्याम सोनी ज्वाइंट डायरेक्टर शिक्षा, योमेश अग्रवाल, दिनेश सिंह सिंगरोल रहे।

अतिथियों ने श्रीराम फाइनैस लिमिटेड की इस पहल को सराहा।

साथ ही कहा कि ये पहल बच्चों को भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी।

ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन होता है। अतिथियों ने बच्चों को जीवन में निरंतर सीखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया। शेखावत ने कहा कि यदि हम



भोपाल में स्वच्छता अभियान तेज 10 रोड स्वीपिंग मशीनों और एक हजार सफाई मित्रों ने संभाला मोर्चा

भोपाल। शहर में दृश्यमान स्वच्छता सुनिश्चित करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए नगर निगम ने विशेष सफाई अभियान चलाया। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर रविवार सुबह 6 से 11 बजे तक 10 रोड स्वीपिंग मशीनों, फॉगर एवं ट्रैक्टर माउंटेड जेट स्प्रे मशीनों और करीब एक हजार सफाई मित्रों की मदद से सड़कों, फ्लाईओवर, फुटपाथ और डिवाइडरों की सफाई की गई। इस दौरान पानी का छिड़काव कर धूल-मिट्टी हटाई गई और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए बैनर-पोस्टर भी निकाले गए। अभियान के तहत चेतक ब्रिज, सुभाष नगर फ्लाईओवर, जीएडी फ्लाईओवर, जीजी फ्लाईओवर, वीर सावरकर सेतु, बाढ़िया फ्लाईओवर, लालघाटी फ्लाईओवर, एयरपोर्ट फ्लाईओवर, आरिफ नगर फ्लाईओवर, भानुपुर ब्रिज, राजा भोज सेतु, रानी कमलापति ब्रिज और भारत टॉकीज रेलवे स्टेशन ब्रिज सहित प्रमुख स्थानों पर सफाई की गई। निगम के अमले ने फॉर्गर और जेट स्प्रे मशीनों से पानी का छिड़काव किया। इसके बाद रोड स्वीपिंग मशीनों और सफाई मित्रों ने फ्लाईओवर, फुटपाथ, डिवाइडर, सेंट्रल वर्ज और रोटर्री से धूल, मिट्टी तथा कचरा हटाया।

प्रधानमंत्री जी के ‘मन की बात’ के संदेश को जनभागीदारी के साथ साकार करें

पार्टी कार्यकर्ता वोकल फॉर लोकल और जल संरक्षण को बनाएं जन अभियान : हेमंत खण्डेलवाल

बेतूल/भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बैतूल जिले को बैतूल विधानसभा के बड़ोरा मंडल के बूथ क्रमांक-46 के ग्राम भड्डस स्थित सामुदायिक भवन में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणजनों के साथ एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने ‘मन की बात’ सुनने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संदेश को पार्टी कार्यकर्ता जनभागीदारी के साथ साकार करें। ‘मन की बात’ में हमेशा सामाजिक समरसता और सेवा की भावना को भी निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। भारतीय संस्कृति में समरसता की भावना पुरातन काल से रही है। भगवान श्रीराम द्वारा माता शबरी के बेर स्वीकार करना सामाजिक समरसता का



प्रेरणदायी उदाहरण है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहे हैं। हम सभी को स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उसकी खरीदारी करनी चाहिए, जिससे अपना प्रदेश और देश आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने ‘मन की बात’ कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में हो रही सकारात्मक गतिविधियों, नवाचारों और

जनभागीदारी के कार्यों की जानकारी देशवासियों से साझा करते हैं, जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा देकर राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ना है। प्रधानमंत्री जी का यह कार्यक्रम देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे अच्छे कार्यों को देशव्यापी पहचान देने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री जी के संदेश को हम सभी कार्यकर्ताओं को जनभागीदारी के साथ धरातल पर उतारने का कार्य करना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन पर दिए गए संदेश को जनअभियान बनाने की जरूरत है। पार्टी के सभी कार्यकर्ता जल संरक्षण के कार्यों में जुटकर जनअभियान को आगे बढ़ायें। बैतूल सहित प्रदेश के कई जिलों में औसत से कम वर्षा दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में सूखे जैसे हालात से प्रदेश को बचाने के लिए समय रहते जल की एक-एक बूंद को बचाना और उसका संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

सायबर टग ने सराफा कारोबारी को लगाई हजारों की चपत

भोपाल। कोतवाली थाना इलाके में सायबर जालासाज ने सराफा कारोबारी से हजारों की टगी कर ली। टग ने पीडित के बैंक खाते से आठ ट्रांजेक्शन में कुल 86 से अधिक की रकम उड़ा दी। इनमें 40 रुपए वापस खाते में आ गए। पुलिस के अनुसार भगवान सिंह जाट (36) ग्राम देवपुर थाना ईटखेड़ी ललवाना गली स्थित अनेमोल चॉलेक्स, सराफा चौक में दुकान चलाते हैं। 15 अक्टूबर को शुक्रान उनके मोबाइल पर बैंक ऑफ इंडिया के मारवाड़ी रोडस्थित शाखा से लेनदेन के मैसेज आए। इन मैसेज में खाते से 7,500 रुपए के 4 ट्रांजेक्शन की जानकारी थी। इसके बाद खाते से 16,300 रुपए की अतिरिक्त राशि कट गई।

संपादकीय

अरुणाचल में आमने-सामने आई भारत चीन के तनाव के बीच क्या हैं संकेत

भारत-चीन के रिश्तों में सुधार की कोशिशों के बीच अरुणाचल प्रदेश में एओसी पर दोनों देशों के सैनिकों के आमने-सामने आने की जानकारी सामने आई है। भारत और चीन के रिश्तों में हाल में सुधार के कई संकेत दिए गए, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों की सेनाओं का कुछ मौकों पर आमने-सामने आना इन प्रयासों पर सवाल खड़े करता है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर ने एक कार्यक्रम में बताया कि यह स्थिति अब भी कायम है। अरुणाचल के संदर्भ में पहली बार सार्वजनिक रूप से यह जानकारी सामने आई है। अरुणाचल प्रदेश पर चीन का एकतरफा दावा पुराना है। वह अपनी तरफ से इलाकों के नाम बदलने की चाल भी चलता रहता है। लेकिन, इस साल जुलाई में ऐसी खबरें आई थीं कि राज्य के ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताक्सिंग क्षेत्र में भारतीय और चीनी सेनाएं आमने-सामने आ गई हैं। हालांकि तब इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। अगस्त में ठरअ अजीत डोभाल सीमा विवाद को लेकर होने वाली बातचीत में हिस्सा लेने के लिए चीन गए, जबकि सितंबर में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा किया। इससे पहले जून 2020 में गलवान की झड़प के बाद दोनों देशों में जो दूरी आई थी, वह हालिया संवादों से थोड़ी कम हुई है। लेकिन, अरुणाचल जैसी घटनाएं भरोसे को कम करने वाली हैं। इसकी वजह से कूटनीतिक प्रयास कमजोर पड़ सकते हैं। दोनों देशों के बीच बातचीत का निर्धारित मैकेनिज्म है और मुद्दों को सुलझाने का पहले से तय प्रोटोकॉल। यह कोशिश होनी चाहिए कि मामला आगे न बढ़े। गलवान जैसा टकराव दोनों में से कोई पक्ष नहीं चाहेगा। उसके बाद बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती करनी पड़ी थी और बात शुरू करने में फिर करीब 5 साल लग गए। अब भी दोनों तरफ के सैनिक पीस लोकेशन पर वापस नहीं आए हैं और इस बारे में लगातार बातचीत चल रही है। किसी नाफे में घेरें पर हजारों सैनिक तैनात करना, साजो-सामान पहुंचाना बेहद खर्चीला और दुरुह कार्य है। इससे इकॉनमी पर भी दबाव बढ़ता है, जो मौजूदा भू-राजनीति की वजह से पहले ही मुश्किलों में है। वहीं, कच्छ्डह महानिदेशक के बयान का एक सबक यह भी है कि भारत को सेना के आधुनिकीकरण का काम तेजी से करना होगा। सैन्य ताकत केवल लड़ने के लिए नहीं, वार्ता की मेज पर अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए भी जरूरी है।

- भरत अर्जुन मेंधानी

चिंतन-मनन

तयों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिस्मों, टीबी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रश्न में बताया गया है कि इस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की। विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शाण्डव में इन्हें आदिपुरुष कहा गया है। आदि पुरुष विष्णु का निवास यानी आवन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोघ, अश्विन शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय, पूर्व शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि 15, सोमवार, अश्वनि नक्षत्रे, वल योगे, वव करणे, मेष की चंद्रमा, स्रानदान पूर्णिमा व्रत, कार्तिक स्रानदान व्रत, मूल समाप्त रात्रि 7/03 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम फलदायक होगी ।

आज जन्म लिए बालक का फल..... आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, किन्तु जिद्दी-हठी, कमीशन एजेन्ट, उद्योग स्थापन करने वाला, बैंक कर्मचारी, लिपिक, कैशियर, लेखापाल तथा प्रबंधक, मैनेजर होगा। मेष राशि :- प्रत्येक कार्य में विघ्न-बाधा, धन हानि, चिन्ता व असमंजस की स्थिति अवश्य बन जायेगी। वृष राशि :- सफलता के साधन जुटायें, इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे तथा विशेष कार्य आप अवश्य ही करें। मिथुन राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, योजनाएं फलीभूती होंगी। मकर राशि :- कहीं तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक विघ्नम तथा स्त्री शरीर कष्ट अवश्य बने। सिंह राशि :- विरोधियों के तनाव से बचें, क्रोध, अशांति व झूठे आश्वासन से आप बचकर चलें। कन्या राशि :- अर्थ लाभ होकर हाथ से जाता रहे, विघ्नम, आवेश व अशांति आप में अवश्य बनेगी। तुला राशि :- आर्थिक समस्याएं सुलझे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, पारिवारिक चिन्ता कम होगी। वृश्चिक राशि :- अग्नि चोटादि का भय, सतर्कता से कार्य करें तथा कार्य अवरोध, विरोधियों से सतर्क रहें। धनु राशि :- कला-कौशल एवं निर्माणकारी योजना बने, प्रमुख वृद्धि से कार्य अवश्य ही बना लेंवें। मकर राशि :- स्थिति यथावत चलती रहे परंतु स्त्री वर्ग से भोग-एश्वर्य की प्रति अवश्य होगी। कुम्भ राशि :- योजनाबद्ध करे कार्य करने में सफलता अवश्य मिले तथा सार्थक सफलता बनेगी। मीन राशि :- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लस तथा समाजिक कार्य में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, कार्य बनेंगे। पीएल गौतमचार्य // मीनिका

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज

देश के पांच राज्यों में वर्ष 2027 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव कराने की तैयारियों के बीच निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक स्तर पर समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है। चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले आयोग की टीमें संबंधित राज्यों का दौरा कर रही हैं, ताकि मतदाता सूची, मतदान केंद्रों, सुरक्षा व्यवस्था और चुनाव संचालन से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया जा सके। इन चुनावों का महत्व केवल नई सरकारों के गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इनके परिणाम देश की राजनीति में विभिन्न दलों की रणनीति और जनधार को समझने का अवसर भी प्रदान करेंगे।



लेखक
कतिलाल मांडेत

निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मणिपुर पहुंचकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रही है। इससे पहले अधिकारी उत्तराखंड का दौरा कर चुके हैं। पंजाब में 28 अक्टूबर को तैयारियों का जायजा लेने का कार्यक्रम निर्धारित बताया गया है। गोवा में भी अधिकारियों के दौरे की योजना है, हालांकि इसकी तारीख में बदलाव की बात सामने आई है। उत्तर प्रदेश में आयोग की टीम कब पहुंचेगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटें होने के कारण यहां की चुनावी तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाना स्वाभाविक है। आयोग के सामने पांचों राज्यों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की भूमिका राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेगी। राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और पार्टी विकास, कल्याणकारी योजनाओं, कानून व्यवस्था तथा बुनियादी सुविधाओं को प्रमुख मुद्दों के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। दूसरी ओर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दल सरकार के कामकाज, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े सवाल उठा सकते हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक बहस होने की संभावना है। कांग्रेस इसे मतार्थिकार और चुनावी पारदर्शिता से जोड़कर उठाने की तैयारी कर सकती है, जबकि निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया का मूल्यांकन उसके घोषित नियमों और वास्तविक क्रिया-व्यवन के आधार पर किया जाना चाहिए। मतदाता सूची की शुद्धता के साथ यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि किसी पात्र नागरिक का नाम अनावश्यक रूप से न हटे। उत्तर प्रदेश में चुनावी प्रतिस्पर्धा का एक प्रमुख पक्ष सरकार के कामकाज और विपक्ष की वैकल्पिक नीतियों के बीच तुलना होगी। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिलाओं की सुरक्षा जैसे विषय सीधे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े हैं। राजनीतिक दलों के लिए केवल आरोप-प्रत्यारोप पर्याप्त नहीं होंगे। जनता यह जानना चाहेगी कि पिछले कार्यकाल में घोषित योजनाओं से कितना लाभ मिला, अधूरे कार्य कब पूरे होंगे और आगामी पांच वर्षों के लिए दलों के पास क्या ठोस कार्यक्रम है। चुनावी घोषणाओं की विश्वसनीयता और उन्हें लागू करने की क्षमता भी चर्चा के केंद्र में रह सकती है। उत्तराखंड और गोवा में भी सत्तारूढ़ भाजपा के सामने अपने कामकाज का हिसाब जनता के सामने रखने की चुनौती होगी। उत्तराखंड में चर्यटन, रोजगार, पलायन, आपदा प्रबंधन, सड़क संपर्क और स्थानीय संसाधनों से आजीविका जैसे प्रश्न महत्वपूर्ण रहेगे। पहाड़ी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता तथा गांवों से पलायन रोकने के प्रयासों का मूल्यांकन किया जा सकता है। गोवा में पर्यटन उद्योग, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार, यातायात, नागरिक सुविधाएं और विकास परियोजनाओं से जुड़े प्रश्न चुनावी चर्चा को प्रभावित कर सकते हैं। दोनों राज्यों में सरकार की उपलब्धियों के साथ विपक्ष के आरोपों और वैकल्पिक प्रस्तावों पर भी मतदाताओं की नजर रहेगी। पंजाब का राजनीतिक परिदृश्य इन चार राज्यों से अलग है। यहां आम आदमी पार्टी की सरकार है और आगामी चुनाव में कानून व्यवस्था,

नशे की समस्या, रोजगार, कृषि, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यापक बहस होने की संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से वर्ष 2029 तक पंजाब को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य व्यक्त किया जा चुका है। ऐसे में नशे के कारोबार पर नियंत्रण, युवाओं को इससे बचाने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के प्रयास राजनीतिक चर्चा में महत्वपूर्ण स्थान पा सकते हैं। राज्य सरकार के सामने यह बताने की चुनौती होगी कि कानून व्यवस्था सुधारने, अपराध पर नियंत्रण रखने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के मामले में क्या प्रगति हुई है। महिलाओं की सुरक्षा और उनके लिए घोषित योजनाओं का क्रिया-व्यवन भी मतदाताओं के आकलन का हिस्सा बनेगा। मणिपुर में चुनावी परिस्थितियां विशेष रूप से संवेदनशील रहेंगी। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष ने राज्य के सामाजिक जीवन, सुरक्षा व्यवस्था और सामान्य जनजीवन को प्रभावित किया है। हिंसा के कारण हजारों परिवारों को विस्थापन का सामना करना पड़ा और बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से दूर रहने को मजबूर हुए। विस्थापित परिवारों की सुरक्षित वापसी, पुनर्वास, राहत व्यवस्था, शांति बहाली और विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास कायम करना राज्य के सामने प्रमुख चुनौतियां हैं। इन परिस्थितियों का चुनावी विमर्श पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। भाजपा को अपने शासनकाल में सुरक्षा और शांति बहाली के प्रयासों पर जवाब देना होगा, जबकि विपक्ष भी सरकार की नीतियों और उनके परिणामों को लेकर सवाल उठा सकता है। मतदाताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही होगा कि स्थायी शांति और सामान्य जनजीवन की बहाली के लिए कौन-से व्यावहारिक उपाय सामने रखे जाते हैं। कांग्रेस के सामने भी इन पांच राज्यों में अपनी राजनीतिक रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती रहेगी। पार्टी मतदाता सूची के पुनरीक्षण, लोकतांत्रिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और सरकारों की जवाबदेही जैसे विषयों को उठा सकती है। हालांकि, किसी भी मुद्दे का राजनीतिक लाभ तभी व्यापक जनसमर्थन में बदल सकता है, जब उसके साथ ठोस तथ्य, स्पष्ट कार्यक्रम और स्थानीय समस्याओं के समाधान की योजना प्रस्तुत की जाए। इसी तरह भाजपा और अन्य सत्तारूढ़ दलों को भी अपनी उपलब्धियों के साथ उन क्षेत्रों पर जवाब देना होगा, जहां जनता अपेक्षित सुधार की मांग कर रही है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के लिए सरकार के प्रदर्शन का मूल्यांकन महत्वपूर्ण होगा, जबकि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा को अपने शासन और नीतियों के आधार पर जनता के सवालों का सामना करना पड़ेगा। निर्वाचन आयोग की तैयारियों के बीच मतदाता सूची का पुनरीक्षण, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, चुनावकर्मियों का प्रशिक्षण, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और सुरक्षा प्रबंधन जैसे विषय महत्वपूर्ण हैं। चुनाव की विश्वसनीयता केवल मतदान के दिन की व्यवस्था से नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता से तय होती है। राजनीतिक दलों को भी आरोप लगाने के साथ अपने दावों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और मतदाताओं को भ्रमित करने वाली सूचनाओं से बचना चाहिए। वर्ष 2027 के ये पांच विधानसभा चुनाव विकास, सुशासन, कानून व्यवस्था, रोजगार, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा का अवसर बन सकते हैं। फिलहाल निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता तैयारियों की समीक्षा और निष्पक्ष मतदान के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत करना है। चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा के बाद राजनीतिक दलों की रणनीतियां अधिक स्पष्ट होंगी। मतदाताओं के सामने विभिन्न दलों के दावों, कर्तव्यों और अव्यक्त योजनाओं की तुलना करने का अवसर होगा। लोकतंत्र की सार्थकता इसी में है कि चुनावी प्रतिस्पर्धा केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम न बने, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान और जवाबदेह शासन की दिशा में ठोस पहल का आधार भी बने।

कड़वे तवन

चतुराई और चालबाजी दो चीजें हैं, एक में ईश्वर की प्रेरणा होती है और दूसरा हमारी फितरत से पैदा होता है।

— सुमन सिन्हा

जो शिक्षा मनुष्य को संकीर्ण और स्वार्थी बना देती है, उसका मूल्य किसी युग में वाहे जो रहा हो, अब नहीं है।

— शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय



विचार मंथन

लेखक- सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट में लंबित 25 प्रकरण न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल न्यायपालिका का अस्तित्व केवल फैसले सुनाने से नहीं, बल्कि समय पर न्याय देने से कायम रहता है। जब न्याय के सर्वोच्च मंदिर सुप्रीम कोर्ट में ही महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों पर वर्षों तक सुनवाई नहीं होती, फैसले सुरक्षित रखकर लंबे समय तक फैसले सुनाए नहीं जाते हैं, याचिकाकर्ता तारीखों के इंतजार में अपनी जिंदगी गुजार देते हैं, तब सवाल केवल न्याय में देरी का नहीं, बल्कि पूरी न्याय व्यवस्था की जवाबदेही का खड़ा होता है। सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठ के गठन और सुनवाई के इंतजार में लगभग 25 महत्वपूर्ण प्रकरण लंबित होने की जानकारी न्यायिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाती है। इनमें कुछ मामले 16 वर्षों से संविधान पीठ की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि छह मामलों में सुनवाई पूरी होने के बाद भी कथित तौर पर एक दशक से फैसले लंबित हैं। जिन न्यायाधीशों ने इन मामलों की सुनवाई की, उनमें से अधिकांश सेवानिवृत्त हो चुके हैं। आखिर जिन मामलों को स्वयं सुप्रीम कोर्ट

के न्यायाधीशों ने संविधान पीठ के समक्ष सुनवाई योग्य और महत्वपूर्ण माना, वे वर्षों तक निर्णय की प्रतीक्षा क्यों कर रहे हैं? इन प्रकरणों का प्रभाव किसी एक याचिकाकर्ता तक सीमित नहीं है। अराक्षण, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, रोजगार, केंद्र और राज्यों के अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, महिला संपत्ति अधिकार तथा डिजिटल निजता करोड़ों नागरिकों के संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों एवं उनके जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। देशद्रोह कानून, विधानसभा अस्थक के अधिकार और न्यायाधिकरणों के सदस्यों की सेवा शर्तों से संबंधित मामलों में भी लंबित सुनवाई संवैधानिक व्यवस्था को प्रभावित कर रही है। जब कानून की व्याख्या ही सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हो, तब सरकारों, प्रशासन, नागरिकों और निचली अदालतों के सामने अनिश्चिता बनी रहती है। इससे अराजकता की स्थिति बनती है। सबसे गंभीर प्रश्न यह है, न्यायपालिका अपनी प्राथमिकताएं कैसे तय कर रही है? सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश को मास्टर ऑफ रीस्टर का अधिकार प्राप्त है। न्यायालय के पास उपलब्ध न्यायाधीशों, पीठों और न्यायिक

संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करके संवैधानिक मामलों की सुनवाई के लिए निश्चित समय-सारणी बनाई जा सकती है। संविधान पीठ के न्यायिकों को वर्षों तक लंबित छोड़ना, किसी भी स्थिति में सामान्य नागरिक प्रक्रिया मानकर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। विशेषकर उन मामलों में, जिनका निर्णय पूरे देश की कानूनी व्यवस्था को दिशा देने वाला हो। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को लेकर आम नागरिकों के बीच एक चिंताजनक धारणा बनने लगी है। जिन मामलों में सरकार पक्षकार होती है, उनमें सुनिश्चित और निर्णय की प्रक्रिया असाधारण रूप से लंबी खिंच जाती है, कहीं अंतरिम आदेशों के सहारे परिस्थितियां बदल जाती हैं। चुनाव आयोग, और एसआईआर मामले में लंबी सुनवाई के बाद टुकड़े-टुकड़े में फैसला देने और जिन प्रक्रियाओं को लेकर लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में बहस चली, उस पर निर्णय अभी तक लंबित है। कहीं फैसला सुरक्षित रखने के बाद महोनों और वर्षों तक निर्णय नहीं आता, कहीं महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्नों का अंतिम समाधान किए बिना मामला अधीनस्थ अदालत में भेज दिया जाता है।

नागरिक कर्तव्य और राष्ट्रीय एकता

प्रदान करना। ये केवल कानून की पक्तियां नहीं हैं, ये राष्ट्रीय एकता के मंत्र हैं। राष्ट्रीय एकता का अर्थ – राष्ट्रीय एकता का अर्थ केवल एक वक्त्रों के भीतर रहना नहीं है। इसका अर्थ है – मानसिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता। जब कश्मीर – कन्याकुमारी तक और गुजरात से अरुणाचल तक का व्यक्ति खुद को सबसे पहले भारतीय मानता है, तब राष्ट्रीय एकता मजबूत होती है। रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था – फ़जहों मन भयमुक्त हो और मस्तक ऊँचा होफ़, वहीं सच्चा राष्ट्र बनता है। यह तभी संभव है जब नागरिक अपने छोटे-छोटे स्वार्थों से ऊपर उठकर देशहित को प्राथमिकता दें। नागरिक कर्तव्य कैसे राष्ट्रीय एकता को मजबूत करते हैं? संविधान और राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान एकता की पहली शर्त जब हम तिरंगे का सम्मान करते हैं, राष्ट्रगान के समय सावधान खड़े होते हैं, तो हम एक दूसरे से जुड़ते हैं। तिरंगा किसी एक धर्म या जाति का नहीं, पूरे राष्ट्र का प्रतीक है। उसका सम्मान करना सीधे तौर पर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। संप्रभुता और अखंडता की रक्षा आज के समय में खराब केवल सीमा पर नहीं है। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों, नफरत फैलाने वाले संदेश, देश को तोड़ने वाली विचारधाराएं भी हमारी एकता पर हमला हैं। एक जगमगक नागरिक का कर्तव्य है कि वह ऐसी किसी भी चीज को आगे न बढ़ाए, उसका विरोध करे। जब हम फ़भारत माता की जयफ़र केवल पर करते हैं नहीं, बल्कि भावना से कहते हैं, तो हम एकता की रक्षा करते हैं। भ्रातृत्व और समरसता – विविधता में एकता का मूल अनुच्छेद 51 का सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है – सभी लोगों में समरसता, अर्थात् सभी को एकसाथ रखना। वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करना। सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा करना और हिंसा से दूर रहना। अपनी क्षमता के अनुसार सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता को और बढ़ाने का प्रयास करना। 6 से 14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का अवसर

मालवी संस्कृति का संगम है, छत्रीसगढ़ में आदिवासी परम्परा है। यदि हम एक दूसरे के रोंहारों जैसे दीपावली, हिंदू नव वर्ष,शरद पूर्णिमा, गुर्कपर्व आदि में शामिल होते हैं, एक दूसरे की भाषा का सम्मान करते हैं, तो नगरों की दीवारें खुद गिर जाती हैं। राष्ट्रीय एकता भाषण से नहीं, साथ बैठने, साथ खाने और साथ उत्सव मनाने से आती है। संस्कृति का संरक्षण भारत की संस्कृति फ़सवें भवन्तु सुखिन:फ़ की है। यह वषुधैव कुटुम्बकम् की बात करती है। जब हम अपनी गोस्वशाली परम्परा – योग, आयुर्वेद, कुम्भ, आदिवासी गौरव दिवस, हिरसा मुंडा जैसे नायकों की विरासत को संरक्षित करते हैं, तो हमें एहसास होता है कि हम एक ही सांस्कृतिक धारा के हिस्से हैं। पर्यावरण की रक्षा – साक्षा भविष्य का कर्तव्य नर्मदा, गंगा, यमुना किसी एक राज्य की नहीं हैं। वायु और जल की कोई सीमा नहीं होती। जब इंटर का नागरिक स्वच्छता का कर्तव्य निभाता है, तो वह अप्रत्यक्ष रूप से पूरे देश की सेहत में योगदान देता है। पर्यावरण की रक्षा एक ऐसा कर्तव्य है जो पूरे देश को एक भविष्य से जोड़ता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा अफवाहों पर विश्वास करना, भीड़ बनकर हिंसा करना, ट्रेन –बस जलाना – ये सब राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हैं। वैज्ञानिक सोच वाला नागरिक हर बात को तर्क से परखता है। सार्वजनिक सम्पत्ति को अपनी कर्तव्य मानता है। वयोक्ति रेल, स्कूल, अस्पताल किसी सरकार के नहीं, हमारे सबके हैं। राष्ट्रीय एकता के सामने चुनौतियाँ आज हमारे सामने कई चुनौतियाँ हैं। सोशल मीडिया पर कद न्यूज और ध्वनीकरण,भाषा और क्षेत्र के नाम पर राजनीति,आर्थिक असमानता, युवाओं में राष्ट्र के प्रति उदासीनता, केवल अधिकारों की बात करना इन सभी का समाधान केवल कानून से नहीं होगा। कानून डर पैदा कर सकता है, सम्मान नहीं।

महर्षि वाल्मीकि : जिनकी लेखनी ने राम को बनाया मर्यादा का महाकाव्य

‘रामायण’ के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के अनुपम संदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिवर्ष अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष वाल्मीकि जयंती 26 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। इस अवसर पर देशभर में कई प्रकार के



लेखक
योगेश कुमार गोयल

सामाजिक तथा धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है और संस्कृत के प्रथम महाकाव्य ‘रामायण’ की रचना करने के कारण ही उन्हें ‘आदिकवि’ के नाम से भी जाना जाता है। वाल्मीकि द्वारा लिखी गई मोक्षदायिनी रामायण आज भी समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनीय है। रामायण ने देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक माना गया है। वाल्मीकि का रामायण महाकाव्य ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केन्द्रबिन्दु माना जाता है। यह महाकाव्य श्रीराम के जीवन के माध्यम से जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। रामायण में जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा तथा नक्षत्रों की सटीक गणना की है, उससे स्पष्ट है कि वे ऐसे परम ज्ञानी थे, जिन्हें ज्योतिष विद्या तथा खगोल शास्त्र का भी बहुत गहन ज्ञान था। रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक हैं।माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की थी, जो संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि बनने से पहले उनका नाम रत्नाकर था, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लुटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई तो नारद को बंदी बनाकर रत्नाकर ने उन्हें भी लुटने का प्रयास किया। तब नारद जी ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो? रत्नाकर ने उत्तर दिया, अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि जी ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर नारद मुनि को पेड़ से बांधकर

घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डकू बनकर लोगों को लुटने का जो पाप करता हूँ, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो? परिवार के सभी सदस्यों ने कहा कि आप इस परिवार के पालक हैं, इसलिए परिवार का पेट भरना तो आपका कर्तव्य है, इस पाप में हमारा कोई हिस्सा नहीं है। सभी का एक ही उत्तर सुनकर रत्नाकर बहुत उदास हुए और नारद मुनि के पास पहुंचकर उनसे पैरों में गिर पड़े। तब नारद मुनि ने रत्नाकर को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया। रत्नाकर ने उनसे अपने पापों का प्रायश्चित्त करने का उपाय पूछा तो नारद मुनि ने उन्हें ‘राम’ नाम जपने की सलाह दी लेकिन रत्नाकर ने कहा कि मुनिवर ! मैंने जीवन में इतने पाप किए हैं कि मेरे मुख से राम नाम का जाप नहीं हो पा रहा है। नारद मुनि ने उन्हें ‘मरा-मरा’ का जाप करने को कहा और इस प्रकार ‘मरा-मरा’ का जाप करते-करते रत्नाकर के मुख से अपने आप ‘राम’ नाम का जाप होने लगा। राम नाम में वह इस कदर लीन हो गए कि एक तपस्वी के रूप में ध्यानमग्न होकर वर्षों तक घोर तपस्या करने के कारण उनके शरीर पर चींटियों की बांबी लग गई। ऐसी कठोर तपस्या के बाद उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बन गए। पौराणिक आख्यानों में वह उल्लेख भी मिलता है कि जब भगवान श्रीराम ने माता सीता का त्याग कर दिया था, तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही वनदेवी के नाम से निवास किया था और वहीं लव-कुश को जन्म दिया था, जिन्हें महर्षि वाल्मीकि द्वारा ज्ञान दिया गया। पहली बार सम्पूर्ण रामकथा लव-कुश ने ही भगवान श्रीराम को सुनाई थी। यही कारण है कि वाल्मिकी कृत रामायण में लव-कुश के जन्म के बाद का वृतांत भी मिलता है। बहरहाल, महर्षि वाल्मीकि के जीवन से यह सीख मिलती है कि जीवन की नई शुरुआत करने के लिए किसी खास समय या अवसर की आवश्यकता नहीं होती बल्कि इसके लिए आवश्यकता होती है केवल सत्य और धर्म को अपनाने की। उनका जीवन बुरे कर्मों को त्यागकर अच्छे कर्मों और भक्ति की राह पर अग्रसर होने की राह दिखलाता है। महर्षि वाल्मीकि का जीवन समस्त मानव जाति को यही शिक्षा देता है कि मनुष्य के जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हों, यदि वह चाहे तो अपनी हिम्मत, हौंसले और मानसिक शक्ति के बल पर तमाम बाधाओं को पार कर सकता है। (लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित ‘सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति’ पुस्तक के लेखक हैं)

भारतीय महिला टीम जिम्बाब्वे से 121 रन से जीती

दूसरे वनडे में हरमनप्रीत-दीप्ति का शतक वैष्णवी को 4 विकेट; भारत 2-0 से आगे

एजेंसी, नई दिल्ली भारतीय महिला टीम ने दूसरे वनडे में जिम्बाब्वे को 121 रन से हरा दिया। वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट पर 328 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 48.5 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे 28 अक्टूबर को खेला जाएगा। भारत के लिए हरमनप्रीत कौर ने 121 गेंदों पर 126 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने 86 गेंदों पर नाबाद 106 रन की पारी खेली। गेंदेबाजी में 20 साल की बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने 39 रन

गई। शेफाली वर्मा भी 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। तीसरे ओवर के खत्म होने से पहले भारत का स्कोर 19 रन पर 2 विकेट था। ऐसे में प्रतीका रावल और हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 124 रन जोड़े। प्रतीका ने 67 गेंदों पर 61 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद भी हरमनप्रीत ने पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने दीप्ति शर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 153 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत ने 15 चौकों की मदद से 126 रन बनाए। यह उनके वनडे करियर का आठवां शतक था। दीप्ति ने 15 चौके लगाते हुए नाबाद 106 रन बनाए। उन्होंने 37 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और आखिरी ओवर में अपना शतक पूरा किया।

एमएलएस फुटबॉल में रेड बुल ने मेसी की इंटर मियामी को 2-0 से हराया

एजेंसी, न्यू जर्सी। रेड बुल न्यूयॉर्क ने यहां खेले गये एमएलएस फुटबॉल सत्र के एक मुकाबले में स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी को हराकर सनसनी फैला दी। इस मुकाबले में मेजबान रेड बुल ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और इसके बाद इंजरी टाइम में दूसरा गोल दागकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। वहीं इंटर मियामी ने वापसी करने के कई प्रयास किए पर असफल रही इस मुकाबले की शुरुआत से ही रेड बुल न्यूयॉर्क ने आक्रामक खेल दिखाया। मैच के केवल सातवें मिनट में ही एक आत्मघाती गोल से इंटर टीम पिछड़ गयी। इसके बाद बराबरी के लिए मेसी की टीम ने काफी जोर लगाय पर वह गोल करने में विफल रही। पहले हाफ के समाप्त होने तक रेड बुल न्यूयॉर्क ने अपनी बढ़त बरकरार रखी, जिससे इंटर मियामी पर दूसरे हाफ में वापसी का दबाव और बढ़ गया। दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही इंटर मियामी ने अपनी रणनीति बदलते हुए हमले तेज कर दिये पर रेड बुल के गोलकीपर और रक्षापंक्ति ने इन्हें विफल कर दिया। मैच के 84वें मिनट में, इंटर मियामी को बराबरी करने का सबसे अच्छा अवसर मिला। स्थानात्र खिलाड़ी सैंटियागो मोरालेस ने पेनल्टी एरिया के दाईं ओर से गोल पर एक शानदार किक लगायी पर रेड बुल के गोलकीपर ने उसे रोक लिया।

बोधना सबसे कम उम्र की इंटरनेशनल शतरंज मास्टर विजेता खिलाड़ी बनी

एजेंसी, लंदन। ब्रिटेन की बोधना शिवानंदन इंटरनेशनल शतरंज मास्टर खिताब जीतने वाली विश्व की सबसे उम्र की खिलाड़ी बनी गयी हैं। भारतीय मूल की 11 साल की ब्रिटिश खिलाड़ी बोधना ने मोंटेनेग्रो के बुडवा में आयोजित यूरोपीय महिला क्लब कप में जीत के साथ ही हंगरी की दिग्वंज जुडीत पोल्यार का 38 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पोल्यार ने यह खिताब साल 1988 में 12 साल की उम्र में जीता था और उन्हें तब से ही शतरंज इतिहास की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है। अब बोधना ने पोल्यार भी कम उम्र में यह असाधारण उपलब्धि हासिल कर अपने को साबित किया है। बोधना ने यूरोपीय महिला क्लब कप के अंतिम राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे कम उम्र में खिताब जीता। उन्होंने अपनी टीम शी प्लेज टू विन लायनेसेस ए को 4-0 की निर्णायक जीत दिलाते हुए स्वीडन की महिला इंटरनेशनल मास्टर विक्टोरिया जोहानसन को सिर्फ 32 चालों में ही शिकस्त दे दी। वहीं इस प्रतियोगिता में, पूर्व महिला विश्व चैंपियनशिप चैंलेंजर एलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के हाथों मिली हार के बावजूद बोधना ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने कुल सात मैचों में 5.5 अंक हासिल किये, जिसके कारण उन्हें अपना तीसरा और अंतिम आईएम नॉर्म मिला।



सिंधु फ्रेंच बैडमिंटन के खिताबी मुकाबले में हारीं दक्षिण कोरिया की अन से यंग तीसरी बार विजेता बनी

एजेंसी, पेरिस। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु को सिंधु फ्रेंच बैडमिंटन 2026 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही सिंधु का खिताब जीतने का सपना टूट गया। सिंधु को खिताबी मुकाबले में दक्षिण कोरिया की नंबर एक खिलाड़ी अन से यंग के हाथों रोमांचक मुकाबले में 16-21, 21-11, 21-12 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने इस मुकाबले की शुरुआत करते हुए पहला गेम जीतकर उम्मीद जगाई पर इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी करते हुए बाकि के गेम जीत कर तीसरी बार खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सिंधु ने आक्रामक खेल अपनाते हुए अन से यंग को शुरुआत से ही कड़ी टक्कर दी। उन्होंने नेट के करीब सटीक शॉट लगाए और शटल को जल्दी हिट करके दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी को लगातार मूव करने पर विवश कर दिया। सिंधु इस रणनीति के कारण ही पहला गेम 21-16 के स्कोर से जीतने में सफल रहीं। यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि सिंधु ने 2023 के बाद पहली बार अन से यंग के खिलाफ कोई गेम जीता था। अपने पिछले 10 मुकाबलों में वह दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ केवल एक ही गेम जीत पाई थीं। पहला गेम गंवाने के बाद कोरियाई यंग ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए रैलियों पर नियंत्रण बनाना शुरू किया। उन्होंने सिंधु के नेट प्ले को समझते हुए उनके छोटे शॉट्स का फायदा उठाया और लगातार दबाव बनाया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच एक 30 शॉट की लंबी रैली भी देखने को मिली, जिसने मुकाबले के रोमांच को बढ़ाया। अन से यंग ने दूसरे गेम में 21-11 से शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। सिंधु ने गेम के अंतिम चरण में तीन गेम अंक बचाए, लेकिन अंततः एक शॉट को सही तरीके से समझ नहीं कर सकीं और गेम हार गयीं।



ब्रीफ न्यूज

कलचुरी महासभा के प्रमोद राय बने पथरिया विस क्षेत्र के अध्यक्ष



दमोह। जिला कलचुरी महासभा की बैठक का आयोजन रविवार को महासभा के अध्यक्ष संजय राय के निवास पर संपन्न हुई। जहां पर सर्वसम्मति से प्रमोद राय फुटेरा वालों को पथरिया विधानसभा क्षेत्र का कलचुरी महासभा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मनोनयन पर जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ राजीव राय, जयकांत राय डॉ. राकेश राय, मोहन राय, डालचंद राय, विमल राय, मुकेश राय, मनोज राय सहित अनेक लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सत्य स्वाभिमान सनातन यात्रा में की पदयात्रा



दमोह। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा की जा रही उज्जैन महाकाल से अयोध्या तक निकाली जा रही सत्य स्वाभिमान सनातन यात्रा जिसमें राजनैतिक, गैर राजनीतिक सैकड़ों कार्यकर्ताओं महिलाओं की भागीदारी हो रही है। इसी तारतम्य में हटा विधानसभा से पूर्व शासकीय अधिकवार केके वर्मा ने अपने साथियों के साथ यात्रा प्रारंभ में ही उज्जैन से तराना तक पदयात्रा कर धर्म लाभ लिया। पदयात्रा में चलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि यह यात्रा उनकी पूरी तरह से गैर राजनैतिक है लोगों में सामाजिक सौहार्द बना रहे। आज जब कुछ राजनैतिक दल निजी स्वा्थ के चलते देश में अराजकता फैला रहे हैं। चंडौधर भ्रष्टाचार चरम पर है, लोगों में भाईचारा बन रहे है, उसी के लिए यह यात्रा है। इस अवसर पर उनके साथ देवेन्द्र राय, नानाजी देशमुख, अमर राजपूत ने भी पदयात्रा की।

बांदकपुर क्षेत्र में तीन दुकानों पर ईंधन उपलब्ध रहेगा

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण सिंह यादव ने बांदकपुर और आसपास डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए आदेश जारी किया है जिसमें क्षेत्र में तीन दुकानों में ईंधन उपलब्ध रहेगा। आदेश के तहत क्रमशः प्रभु ऑटोमोबाइल नरसिंहगढ़ द्वारा टिकरी बुजुर्ग, विद्यासागर ऑटोमोबाइल पट्टेरा द्वारा बांदकपुर और चौधरी एण्वस ट्रेडर्स पथरिया द्वारा केवलारी में आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। बांदकपुर क्षेत्र के आसपास के ग्रामों में किसानों और आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए और जनहित की भांग के अनुरूप उक्त आदेश जारी किया गया है जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

पर्यटन ग्राम पड़रिया थोबन के विकास मॉडल का अध्ययन करने पहुंचे जबलपुर और डिंडोरी के 100 जनप्रतिनिधि

ग्रामीण संस्कृति, होमस्टे और स्थानीय रोजगार के नवाचारों को सराहा, अपनी पंचायतों में लागू करने की जताई मंशा

दमोह। महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान अथारताल जबलपुर तथा जिला पंचायत दमोह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत 22 से 24 अक्टूबर तक पर्यटन ग्राम पड़रिया थोबन में अध्ययन भ्रमण एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया। इस दौरान जबलपुर एवं डिंडोरी जिले के ग्राम पंचायतों के 100 जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गांव पहुंचकर वहां संचालित विकास गतिविधियों, ग्रामीण पर्यटन मॉडल और स्थानीय रोजगार के साधनों का अवलोकन किया। कार्यक्रम के तहत 22 अक्टूबर को जनपद पंचायत जबलपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों से 50 जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का दल पड़रिया थोबन पहुंचा। इन्होंने 23 अक्टूबर को डिंडोरी जिले की जनपद पंचायत समनापुर से आए 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गांव की विकास गतिविधियों का अध्ययन किया। दोनों



दलों को गांव में अपनाए गए विकास के नवाचारों और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी दी गई।

होमस्टे और ग्रामीण संस्कृति ने किया प्रभावित

अध्ययन दल ने पड़रिया थोबन की समृद्ध ग्रामीण संस्कृति, स्वच्छता व्यवस्था तथा ग्राम विकास के विभिन्न नवाचारों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान गांव में संचालित प्रमुख होमस्टे राधारानी, रामकुटी और पंचवटी

का भ्रमण कर ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करने की व्यवस्थाओं को समझा। प्रतिनिधियों ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित करने और गांव की विशेषताओं को पर्यटन से जोड़ने के प्रयासों की सराहना की। एक्सपोजर विजिट के दौरान एनआरआई डी के स्टेट कंसल्टेंट जयप्रकाश सूर्यवंशी एवं नवीन शिवा ने प्रतिनिधिमंडलों को गांव की उपलब्धियों और विकास मॉडल से अवगत कराने में भूमिका निभाई। संचालन एवं समन्वय में जनपद पंचायत जबेरा के विकासखंड समन्वयक अंकित दुबे तथा उपयंत्री सुरेश प्रजापति का योगदान रहा। इस दौरान गांव के युवा विनोद बाजपेयी ने दोनों जिलों से आए जनप्रतिनिधियों को ग्राम भ्रमण कराकर विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। जबलपुर और डिंडोरी से आए जनप्रतिनिधिमंडलों ने पड़रिया थोबन में हुए विकास कार्यों, स्थानीय रोजगार के साधनों, स्वच्छता व्यवस्था और ग्रामीण पर्यटन मॉडल की प्रशंसा की।

दिमनी पुलिस ने पकड़ी 30 पेटी अवैध शराब बोलेरो सहित 9.50 लाख का माल जब्त

मुरैना से अंबाह ले जाई जा रही थी शराब, आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। जिले में अवैध शराब के परिवहन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को थाना दिमनी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 30 पेटी देशी मसाला शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो गाड़ी को भी जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत करीब 9 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बोलेरो गाड़ी में मुरैना से अंबाह की ओर अवैध रूप से बेचने के लिए शराब ले जा रहा है। सूचना पर दिमनी पुलिस ने ग्रीन फ्लैड हाईवे के पास ग्राम खुर्द के मुख्य मार्ग पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान मुरैना की तरफ से आती हुई बोलेरो गाड़ी क्रमांक एमपी 06-जेडई-6113 को पुलिस बल की मदद से रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान गाड़ी में 30 पेटी देशी मसाला शराब मिली, जिसकी कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई। शराब के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे जाने पर चालक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शराब और तस्करी में इस्तेमाल की गई करीब 8 लाख रुपए कीमत की बोलेरो गाड़ी जब्त कर ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 212/26 के तहत आवकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 47(ए) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।



करवा चैथ का व्रत 29 अक्टूबर को, पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:38 से 6:55 बजे तक

पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए सुहागिन महिलाएं रखेंगी व्रत

मुरैना, ग्वालियर में रात्रि 8:20 बजे होगा चंद्रोदय

मुरैना। सुहागिन महिलाओं के प्रमुख एवं प्रिय पर्व करवा चैथ का व्रत इस वर्ष गुरुवार 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह पर्व कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति, समृद्धि तथा दाम्पत्य जीवन में प्रेम और विश्वास बनाए रखने को कामना के साथ निर्जला व्रत रखती हैं। वरिष्ठ व्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद्र जैन ने बताया कि इस पर्व करवा चैथ पर रोहिणी नक्षत्र तथा वृषभ राशि में उच्च के चंद्रमा का विशेष संयोग रहेगा। पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:38 बजे से 6:55 बजे तक रहेगा। ग्वालियर, मुरैना में चंद्रोदय रात्रि 8:20 बजे होने की संभावना है, जबकि अन्य स्थानों पर स्थानीय समय के अनुसार लगभग 8:40 बजे तक चंद्रमा के दर्शन हो सकेंगे।



करवा चैथ का धार्मिक एवं पारिवारिक महत्व : करवा चैथ पति-पत्नी के आपसी स्नेह, प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक पर्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और विधि-विधान से पूजा करने से पति की दीर्घायु तथा परिवार का सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इस अवसर पर माता पार्वती को अखंड सौभाग्य का प्रतीक मानकर उनका पूजन किया जाता है। साथ ही भगवान शिव, भगवान गणेश और चंद्रदेव की आराधना भी की जाती है।

करवा का विशेष महत्व : करवा चैथ की पूजा में मिट्टी के करवे का विशेष महत्व है। करवा जल, मंगलभाव, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। पूजा में करवे में जल भरकर उसे परंपरागत विधि से स्थापित किया जाता है तथा चंद्रमा को अर्घ्य देने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

इस प्रकार करें व्रत और पूजन : करवा चैथ के दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले स्नान आदि कर सरगी ग्रहण करती हैं। सरगी में फल, दूध, मेवे और मिठाई जैसे खाद्य पदार्थ शामिल किए जा सकते हैं। इसके बाद व्रत का संकल्प लेकर परंपरा के अनुसार अन्न-जल का त्याग किया जाता है। शाम को शुभ मुहूर्त में पूजा की चौकी सजाकर माता पार्वती, भगवान शिव, भगवान गणेश और करवा माता का स्मरण करते हुए पूजन किया जाता है। करवे में जल भरकर दीपक जलाया जाता है तथा रोलों, अक्षत, पुष्प और मिठाई अर्पित की जाती है।

त्यापार

रविशंकर नगर कम्युनिटी हॉल में पहली बार दस्तकारी हाट का शुभारम्भ

प्रदर्शनी में करवाचौथ और दिवाली के लिए हैंडलूम सिल्क साड़ियों का स्पेशल कलेक्शन

भोपाल। दस्तकारी हाट, भारत की सबसे बड़ी हैंडलूम और सिल्क प्रदर्शनी, आपके शहर भोपाल में आपके पसंदीदा स्थान पर पहली बार आयोजित होने जा रही है। भारत के अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों के बुनकरों और विधावा महिलाओं की मदद के मकसद से शुरू की गई दस्तकारी हाट, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े सैकड़ों परिवारों की आजीविका का लगातार मजबूत सहारा बनी हुई है। यह संस्था पूरे देश में इसी तरह के आयोजनों का संचालन करती है। बनारस के घाटों से लेकर बिहार के गांवों तक, बंगाल से लेकर तमिलनाडु तक, असम के पहाड़ों से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक ये बुनकर एक ही छत के नीचे 20 से भी अधिक किस्मों की सिल्क लेकर आ रहे हैं। बनारसी, कोसा, जामदानी, भागलपुरी, जयपुरी और असमिया सिल्क इस प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण हैं। यहाँ 15 से अधिक राज्यों के लगभग 85 स्टॉल लगाए गए हैं। इस प्रदर्शनी में पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और देश के सूदूर क्षेत्रों जैसे असम, मेघालय और तमिलनाडु से पारंपरिक शिल्पी और कारीगर हिस्सा ले रहे हैं। ऑर्गनाइजर समीन ने बताया यह दस्तकारी हाट प्रदर्शनी के माध्यम से बुनकरों और शिल्पकारों की सहायता के हमारे संकल्प के तहत, इस आयोजन से होने वाली पूरी आय सीधे बुनकर परिवारों तक पहुंचाई जाती है। यह आयोजन रविशंकर नगर कम्युनिटी हॉल, चार इमली, भोपाल में 23 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2026 तक (केवल 6 दिनों के लिए), सुबह 11:00 बजे से रात 9:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। भारतीय हथकरघा कला को सहेजने और उसे बढ़ावा देने के लिए इस प्रदर्शनी में जरूर पधारें। भारतीय बुनाई को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 60ब तक की विशेष छूट दी जा रही है।



पिंक अक्टूबर: मैनकाइंड फार्मा ने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता, शुरुआती पहचान और समय पर इलाज पर दिया जोर

भोपाल। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर मैनकाइंड फार्मा ने अपने 'पिंक अक्टूबर' अभियान के जरिए ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता, समय रहते इसकी पहचान और सही समय पर इलाज के महत्व पर जोर दिया। यह पहल कंपनी के #1MillionLives अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता को अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुंचाना और उनको अपने स्वास्थ्य के प्रति समय रहते जरूरी कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है। ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता लोगों को समय पर डॉक्टर से सलाह लेने और इस बीमारी को समझने में मदद करती है। इसके संभावित संकेतों में स्तन में गांठ या असामान्य मोटापन, स्तन के आकार या बनावट में बदलाव, त्वचा या निप्पल में बदलाव और निप्पल से असामान्य साव (डिस्चार्ज) शामिल हो सकते हैं हालांकि, ये बदलाव कैंसर के ही संकेत हों ऐसा नहीं है, लेकिन ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। व्यक्ति की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर की सलाह के अनुसार क्लिनिकल जांच और मेमोग्राफी से ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआती पहचान में मदद मिल सकती है। कैंसर के प्रति जागरूकता केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समय पर जरूरी कदम उठाने की आदत भी उठानी हिस्सा होना चाहिए। #1MillionLives पहल के जरिए हमारा उद्देश्य सही स्वास्थ्य जानकारी को अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुंचाना और उन्हें अपने स्वास्थ्य से जुड़े फैसले समय रहते और सौच-समझकर लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। पिंक अक्टूबर इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। इसके माध्यम से हम स्तनों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, कैंसर की शुरुआती पहचान और समय पर डॉक्टर से सलाह लेने के महत्व पर जोर दे रहे हैं। हमारा मानना ​​है कि लगातार चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान लोगों और परिवारों को अपने स्वास्थ्य के बारे में समय रहते सही फैसले लेने में सक्षम बना सकते हैं, मैनकाइंड फार्मा के सीनियर प्रेसिडेंट अतिथि मनुमंदार ने कहा। बीमारी की शुरुआती पहचान से डॉक्टरों को इलाज के बारे में निर्णय लेने में भी मदद मिलती है। जांच और ट्युमर की प्रोफाइलिंग से ब्रेस्ट कैंसर को समझने और सही फैसले लेने में मदद मिलती है। जरूरत पड़ने पर HER2 टेस्ट के जरिए ट्युमर में HER2 की स्थिति का पता लगाया जाता है, जिससे डॉक्टर टारगेटेड थेरेपी चुनने का फैसला ले सकते हैं।



भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल की मासिक बैठक संपन्न

दमोह। भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल की मासिक संगठनात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय में मंडल प्रभारी एवं भाजपा जिला मंत्री रानू नामदेव के मुख्य आतिथ्य तथा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष बिजेंद्र अहिरवार, एल्डरमैन संतोष रोहित, पार्षद गणेश जाटव, मंडल महामंत्री अरुण सोनी एवं महेंद्र अहिरवार मंचासीन रहे। मंडल प्रभारी रानू नामदेव ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य करता है। लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और समाज में संकरात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं तथा संगठनात्मक कार्यक्रमों में पूरी सक्रियता के साथ सहभागिता करें। मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया ने कहा कि संगठन की मजबूती नियमित बैठकों, आपसी समन्वय और कार्यकर्ताओं की निरंतर सक्रियता से सुनिश्चित होती है। मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी विचारों को आमजन तक पहुंचाएं।

किराना दुकान से 35 हजार रुपये के अवैध पटाखे जब्त, आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। दीपावली के त्योहार से पहले अवैध पटाखों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को थाना सिविल लाइन पुलिस ने न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित एक किराना दुकान पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में अवैध पटाखे जब्त किए। जब्त पटाखों की कीमत करीब 35 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने दुकान संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में स्थित एक किराना दुकान पर अवैध रूप से पटाखे बेचे जा रहे हैं सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान दुकान में बड़ी मात्रा में पटाखे मिले। पटाखों के संयोग में दुकानदार से वैध लाइसेंस मांगा गया, लेकिन वह लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। बिना वैध लाइसेंस पटाखे रखने और बेचने का मामला सामने आने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर करीब 35 हजार रुपये कीमत के पटाखे जब्त कर लिए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 536/2026 के तहत विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(ख) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।





शरद पूर्णिमा पर आसमान में खिला सुनहरा चांद

विदिशा। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आसमान में सुनहरी आभा बिखेरते चंद्रमा का मनमोहक नजारा दिखाई दिया। चांद की सतह की स्पष्ट आकृतियों और चमक के रात के आसमान को खास बना दिया।

बीफ न्यूज

आउटसोर्स बिजलीकर्मों की मौत की सीबीआई जांच और परिजनों को मुआवजा देने की मांग

भोपाल। बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भागव ने बिजलीकर्मों गजराज सिंह गुर्जर की विद्युत दुर्घटना में हुई मौत की जांच सीबीआई से कराने और उसके परिजनों को मुआवजा, बीमा राशि व अन्य देयकों का भुगतान करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आउटसोर्स कर्मचारी 7 और 8 नवंबर 2026 को काम बंद आंदोलन करेंगे। भागव के अनुसार, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के नजीराबाद वितरण केंद्र में कार्यरत 42 वर्षीय गजराज सिंह को राजस्व वसूली संबंधी कार्य के लिए आउटसोर्स पर रखा गया था। आरोप है कि उसे बिना प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरणों के बिजली लाइन के ट्रांसफार्मर पर काम करने भेजा गया, जहां 28 सितंबर 2026 को कोलुखेडी गांव में विद्युत दुर्घटना हुई। हमीदिया अस्पताल में उपचार के दौरान 9 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। भागव ने आरोप लगाया कि मृतक की पत्नी ममता बाई गुर्जर और पांच बच्चों को अब तक मुआवजा, बीमा राशि, इंपीएफ, पेंशन और 15 हजार रुपये का अल्टीमेटिव्य भी नहीं मिला है। उन्होंने इयुटी समाप्ति के समय और वितरण केंद्र को अयोग्य घोषित किए जाने के आधार पर भुगतान में कथित अड़चने पैदा करने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने वर्ष 2024 में विद्युत दुर्घटना में 80 प्रतिशत दिव्यांग हुए आउटसोर्स कर्मचारी रामराज मैवाड़ा को मुआवजा नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया। भागव ने बिजली कंपनी से दोनों मामलों में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

निगम आयुक्त ने न्यू मार्केट का किया औचक निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने के निर्देश

भोपाल। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने रविवार को देर शाम न्यू मार्केट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने त्योहारों के सीजन में बाजार आने वाले नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अतिक्रमण हटाने और साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने बाजार के विभिन्न स्थानों और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को बाजार के रास्तों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। साथ ही रेहड़ी-पटरी वालों को निर्धारित स्थलों पर ही व्यवसाय कराने और दुकानदारों को अपनी दुकानों का सामान तय सीमा के भीतर रखने की समझाइश देने को कहा। आयुक्त अहिरवार ने बाजार क्षेत्र में रात्रिकालीन और प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था को भी अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बाजार में लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है, ऐसे में नागरिकों को सुविधाजनक आवागमन और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है।

सायबर ठग ने सराफा कारोबारी को लगाई हजारों की चपत

भोपाल। कोतवाली थाना इलाके में सायबर जालासाज ने सराफा कारोबारी से हजारों की ठगी कर ली। ठग ने पीडित के बैंक खाते से आठ ट्रांजेक्शन में कुल 86 से अधिक की रकम उड़ा दी। इनमें 40 रुपए वापस खाते में आ गए। पुलिस के अनुसार भागवान सिंह जाट (36) ग्राम देवपुर थाना ईटखेड़ी तलवानी गली स्थित अनमोल कोम्लेखस, सरगा चौक में दुकान चलाते हैं। 15 अक्टूबर की शाम उनके मोबाइल पर बैंक ऑफ इंडिया के मारवाड़ी रोड स्थित शाखा से लेनदेन के मैसेज आए। इन मैसेज में खाते से 7,500 रुपए के 4 ट्रांजेक्शन की जानकारी थी। इसके बाद खाते से 16,300 रुपए की अतिरिक्त राशि कट गई। उन्होंने मोबाइल पर आए मैसेज चेक किए तो खाते से कुल 46,300 रुपये कटने की जानकारी मिली। अगले दिन 16 अक्टूबर को भागवान सिंह बैंक पहुंचे और खाते का स्टेटमेंट निकलवाया। जांच में पता चला कि खाते से कुल आठ ट्रांजेक्शन के जरिए 86,400 रुपए निकाले गए थे।

चेक बाउंस के आरोपी को एक साल का कठोर कारावास

भोपाल। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली सिंह की अदालत ने 14 लाख रुपए के चेक बाउंस मामले के आरोपी मेरस लक्ष्य रियलिटी प्राईवेट लिमिटेड के डायरेक्टर मनीष मोटवानी पुत्र रमेश मोटवानी निवासी पंचवटी कालोनी एयरपोर्ट रोड को दोषी ठहराते हुए एक साल के कठोर कारावास और 26 लाख 42 हजार रुपए का प्रतिफल अदा किए जाने की सजा सुनाई है।

टेंडर, निर्माण की गुणवत्ता और काम में देरी से जुड़े 80 ब्लैकलिस्टिंग मामलों में सिर्फ 8 प्रकरण ठेकेदारों पर कार्रवाई में भोपाल फिसड़ी

भोपाल। सरकारी निर्माण कार्यों में लापरवाही, अनुबंध नहीं कराने और गुणवत्ताहीन काम के मामलों में ठेकेदारों पर कार्रवाई के आंकड़ों में भोपाल संभाग ग्वालियर, इंदौर, रीवा और सागर से पीछे है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में ठेकेदारों की ब्लैकलिस्टिंग और प्रतिबंध के कुल 80 प्रकरण दर्ज हैं। इनमें भोपाल संभाग के आठ मामले हैं, जबकि ग्वालियर संभाग 25 प्रकरणों के साथ पहले स्थान पर है। यानी प्रदेश में दर्ज कुल मामलों में भोपाल की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, इंदौर संभाग में 12, रीवा और सागर में 10-10 तथा जबलपुर में छह और उज्जैन में पांच प्रकरण

दर्ज हैं। आंकड़े बताते हैं कि ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का सबसे बड़ा आधार टेंडर मिलने के बाद अनुबंध नहीं करना, काम शुरू नहीं करना या अधूरा छोड़ देना रहा है। प्रदेश में करीब 30 प्रकरण ऐसे बताए गए हैं, जिनमें टेंडर मिलने या स्वीकृति के बाद ठेकेदारों ने तय समय-सीमा में अनुबंध नहीं किया। इससे संबंधित काम आगे बढ़ाने में बाधा आती है और कई मामलों में दोबारा निविदा प्रक्रिया अपनाने की नौबत बनती है। इसके अलावा करीब 20 मामलों में ठेकेदारों ने समय पर काम शुरू नहीं किया या निर्माण अधूरा छोड़ दिया। सरकारी परियोजनाओं में ऐसी लापरवाही से लागत और समय-सीमा प्रभावित होने की आशंका रहती है।

दो दशक बाद आरएसएस के संगठन में बदलाव की तैयारी

अब प्रांत नहीं संभाग होंगे कामकाज का केंद्र

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य प्रदेश में संगठन विस्तार की रणनीति के तहत अपने कामकाज का ढांचा बदलने की तैयारी में है। तीन प्रांतों के मौजूदा मॉडल की जगह सात संभागों को केंद्र में रखकर नई व्यवस्था विकसित की जाएगी। इस बदलाव में सबसे अहम पहलु प्रांत प्रचारक की व्यवस्था खत्म करना और संगठनात्मक जिम्मेदारियों को संभाग स्तर पर केंद्रित करना है। संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के बाद प्रस्तावित इस बदलाव को संगठन के कामकाज में विकेंद्रीकरण और निगरानी मजबूत करने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। करीब दो दशक बाद हो रहे इस संगठनात्मक फेरबदल का उद्देश्य निचले स्तर तक संपर्क बढ़ाने और शाखाओं के विस्तार को गति देना बताया जा रहा है। फिलहाल मध्य प्रदेश में संघ का कामकाज महाकौशल, मध्यभारत और मालवा के तीन प्रांतों में बंटा हुआ है। प्रत्येक प्रांत में प्रांत प्रचारक की जिम्मेदारी होती है। नई व्यवस्था में इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, सागर, रीवा, ग्वालियर और भोपाल को सात संभागीय इकाइयों के रूप में विकसित करने की योजना है। प्रस्तावित ढांचे में संभाग प्रचारक संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन की अहम कड़ी होंगे और नागपुर स्थित संघ मुख्यालय से सीधे संपर्क में रहेंगे।

आईएसबीटी बस स्टैंड पर खड़ी 10 लक्जरी बसों में लगी आग

क्षेत्र में मची अफरा-तफरी, एक दर्जन दमकलों ने 2 घण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी में आगजनी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है ताजा मामला भोपाल के सबसे बड़े बस स्टैंड का है जहां पर लक्जरी सवारी बसों में एक के बाद एक 10 बसों में आग गई है एक बस में लगी आग ने अन्य बसों को चपेट में ले लिया आगजनी की खबर से बस स्टैंड पर अफरा तफरी मच गई और चारों ओर धुंआ ही धुंआ फैल गया। विभिन्न स्थानों से पहुंची फायर दमकलों ने 2 घण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया पर तब तक बसे जलकर खाक हो गई थीं। मौके पर नगर निगम अधिकारी, पुलिस मौजूद थी आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

राजधानी में रविवार की शाम को आईएसबीटी बस स्टैंड पर उस समय हड़कंप मंच गया जब वहां पर खड़ी सवारी बसों में धीरे-धीरे कर भूषण आग लगती गई बस स्टैंड पर आगजनी की सूचना पाकर विभिन्न इलाकों में दर्जन भर फायर दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाना शुरू कर दिया शुरूआती जांच में वर्मा ट्रेवल्स की एक बस में शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़कने की बात सामने आई है छ इस आगजनी की घटना में करीब 8 से 10 बसे जलकर खाक हुई है और करोड़ों रुपए का नुकसान आगजनी में हुआ है आग की सूचना पाकर पुलिस नगर निगम और जिला प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंचे गए थे। बसों में आग लगने की घटना से कितना नुकसान हुआ है अभी इसका पता नहीं चल



पाया है। उल्लेखनीय है कि नए भोपाल के इस बस स्टैंड पर 20 से 25 बसे अकसर खड़ी रहती हैं और बस स्टैंड पर कई दुकानें बनी हुई हैं साथ ही पड़ोस में ही एक पेट्रोल पंप भी है रविवार शाम को शुरूआती जांच में आग लगने की बात शॉर्ट सर्किट से सामने आई है वर्मा ट्रेवल्स को इस आगजनी की घटना में करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है यह वैसे रायसेन इंदौर जाने के लिए खड़ी थी।

खाक हो गई। यह अच्छा था कि बसों में यात्री नहीं थे अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बस स्टैंड के आस पास कई व्यवसायिक गतिविधियां भी संचालित होती है।

आसमान में छाया काला धुआं मचा हड़कंप

रविवार की शाम को एक बस से दूसरी बस में आग फैलती गई और करीब चार से पांच बसें जलकर खाक हो गईं छ कुछ ही देर में आईएसबीटी बस स्टैंड के पास आसमान में काला धुआं छाने लगा और आग जनी की इस घटना की सूचना चारों तरफ फैलती गई छ बड़ी तादाद में आसपास के लोग वहां पहुंचने लगे पुलिस ने सुरक्षा चेरा बना लिया और जल्द से जल्द आ रही दमकलों को बस स्टैंड के अंदर पहुंचाया।

वर्मा ट्रेवल्स को हुआ करोड़ों का नुकसान ...

आईएसबीटी बस स्टैंड पर वर्मा ट्रेवल्स की करीब आधा दर्जन बसे जलकर खाक हो गईं शुरूआती जांच में आग लगने की बात शॉर्ट सर्किट से सामने आई है वर्मा ट्रेवल्स को इस आगजनी की घटना में करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है यह वैसे रायसेन इंदौर जाने के लिए खड़ी थी।

अवैध पार्किंग करने वालों की अब खैर नहीं!

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था को ठप करने वाले और मनमाने तरीके से कहीं भी गाड़ियां पार्क करने वाले हुड़दगियों के खिलाफ नगर निगम ने एक बार फिर कमर कस ली है। शहर के प्रमुख बाजारों में लगने वाले भीषण जाम और आम जनता की सहूलियत को ताक पर रखने वाले वाहन चालकों को सबक सिखाने के लिए नगर निगम की क्रेनें फिर से सड़कों पर उतरने जा रही हैं। इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस से तालमेल बना कर काम किया जाएगा।

भोपाल की सड़कों पर फिर गरजेगा नगर निगम का पीला पंजा



निशाने पर रहेंगे शहर के ये प्रमुख बाजार

- न्यू मार्केट : दुकानदारों और खरीदारों द्वारा सड़कों पर की जाने वाली बेतरतीब पार्किंग।
- एमपी नगर (जोन 1 और जोन 2) : कमर्शियल हब होने के बावजूद यहाँ सड़कों पर गाड़ियों का अंबार लगा रहता है।
- चौक बाजार और ओल्ड सिटी : संकरी सड़कों पर अवैध रूप से खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहन।
- 10 नंबर मार्केट और बिट्टन मार्केट : शाम के वक सड़कों को ही पार्किंग लॉट समझ लेने की लापरवाही।

टेम्पल ऑफ संबोधि में बरसा अध्यात्म का अमृत



श्रद्धा और भक्ति के साथ मना शरद पूर्णिमा महोत्सव : वेदांत संत लाल साई जी महाराज के सान्निध्य में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की खीर

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) के वन ट्री हिल्स स्थित टेम्पल ऑफ संबोधि में रविवार को शरद पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। वेदांत संत लाल साई जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित इस महोत्सव में साई के गीतों और भजनों के माध्यम से अध्यात्म का अमृत बरसा। भक्ति रस में डूबे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शरद पूर्णिमा की विशेष खीर का सेवन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। महोत्सव के दौरान साई के गीतों ने ऐसा भक्तिमय वातावरण निर्मित किया कि श्रद्धालु आध्यात्मिक आनंद में सरबोर हो गए। भजनों के माध्यम से प्रभु की महिमा का गुणगान हुआ और पूरा मंदिर परिसर भक्ति एवं श्रद्धा के रंग में रंग गया। साई जी के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक शांति और आनंद की अनुभूति की। आयोजन में विभिन्न हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारी भी शामिल हुए। सभी ने श्रद्धा के साथ महोत्सव में सहभागिता कर धार्मिक परंपराओं और सामाजिक सद्भाव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। शरद पूर्णिमा की धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस रात्रि चंद्रमा की किरणों का विशेष महत्व माना जाता है। इसी आस्था और परंपरा के अनुरूप श्रद्धालुओं के लिए खीर वितरण किया गया। सैकड़ों लोगों ने प्रेमपूर्वक खीर का सेवन किया और इस पावन अवसर पर धर्मलाभ प्राप्त किया। शरद पूर्णिमा महोत्सव ने भक्ति, सेवा और सामाजिक एकता का संदेश दिया। साई के गीतों से गूँजता आध्यात्मिक वातावरण और श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता आयोजन को यादगार बना गई।

सड़क किनारे लगने वाली दुकान पर लगेगा सुबह से निगम का पहरा, नहीं लगी दुकानें



युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी में अब सड़कों के किनारे लगने वाली दुकानों पर नगर निगम की धूल और अवैध अतिक्रमण पर नाराजगी तीखी नजर रहेगी और जहांपर यह लगयी मिलेगी वहां के जोनल और अतिक्रमण अधिकारी के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगा। यह बात निगम के नये आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज सुबह शहर के सड़कों को सफाई व्यवस्था का राउंड लेते मार्केट सहित शहर के प्रमुख बाजारों में सीजन में नगर निगम के नवनियुक्त कमिश्नर और आईएएस अधिकारी रामप्रकाश अहिरवार ने पदभार संभालते ही सख्ती शुरू कर दी है। सबसे पहले उन्होंने मंत्रालय के सामने की सड़कों पर लगने वाली दुकानों पर लगाम लगाने के

लिये वहांपरआने वाले रास्तों पर सुबह से निगम के कर्मियों को तैनात कर उनका रास्ता रोक दिया गया है। जब माल ही नहीं आया तो दुकानें कैसे लेंगी...।

सड़कों पर उतरे निगम आयुक्त

आज अवकाश के दिन भी निगम आयुक्त अहिरवार ने सुबह के निरीक्षण के दौरान फुटपाथ पर गंदगी, सड़कों पर उड़ती धूल और अवैध अतिक्रमण पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मिलेगी वहां के जोनल और अतिक्रमण अधिकारी के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी, ताकि आम नागरिकों और दुकानदारों को परेशानी न हो। इसके अलावा मनमानी खुदाई पर रोक और तय समय सीमा में सड़कों के रेस्टोरेशन पर भी उनका जोर रहेगा।

नो-टॉलरेंस नीति: नसिफारिश चलेगी, न बहाना

निगम के अधिकारियों के मुताबिक, इस बार की कार्रवाई केवल दिखाने के लिए नहीं होगी। अगर गाड़ी सफेद पट्टी (जगहों पर वसूली करने वाले अवैध पार्किंग माफिया सक्रिय हैं, जिन पर निगम की क्रेन कभी नहीं चलती। सिर्फ गरीबों और आम जनता पर गाज वर्यो? रसखुदारी की वीआईपी गाड़ियां जब सड़कों पर घंटी खड़ी रहती हैं, तब निगम की क्रेनें रास्ता वर्यो बदल लेती हैं?

सवाल जिनके जवाब जरूरी हैं

पार्किंग स्टॉटस कहां हैं? शहर के कई व्यस्त बाजारों में निगम आज तक पर्याप्त और व्यवस्थित मल्टीलेवल पार्किंग देने में नाकाम रहा है। अवैध पार्किंग ठेकेदारों पर नकल कब? कई जगहों पर वसूली करने वाले अवैध पार्किंग माफिया सक्रिय हैं, जिन पर निगम की क्रेन कभी नहीं चलती। सिर्फ गरीबों और आम जनता पर गाज वर्यो? रसखुदारी की वीआईपी गाड़ियां जब सड़कों पर घंटी खड़ी रहती हैं, तब निगम की क्रेनें रास्ता वर्यो बदल लेती हैं?

करने पर उतारू है और देश में आग लगाने व अशांति फैलाने का माहौल बनाना चाहती है।

देश की जनता देगी ईट का जवाब पत्थर से

शर्मा ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के माता-पिता पर टिप्पणी करने से पहले खड़गे को दस बार सोचना चाहिए। देश की जनता अपने प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की बदतमीजी और अपमान को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और समय आने पर कांग्रेस को इसका ईट का जवाब पत्थर से देगी।

80-90 साल के बुजुर्ग नेता से

ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं थी

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि अब तक राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित और तु-तडाक वाली भाषा का उपयोग करते थे, लेकिन अब 80-90 वर्ष की आयु पार कर चुके कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी प्रधानमंत्री के माता-पिता तक जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने वरिष्ठ नेता को संसदीय मर्यादाओं और परंपराओं का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन वे भी सड़क छाप भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।